धनबाद, सोमवार
30 मार्च 2026
वर्ष : 03 अंक : 178
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

हज यात्रियों का पहला जत्था 18 अप्रैल से होगा रवाना : इरफान

रांची, ,(एजेंसी) : मंत्री सह हज कमेटी के अध्यक्ष इरफान अंसारी ने कहा कि पहला जत्था 18 अप्रैल को कोलकाता से प्रस्थान करेगा। 18 से 23 अप्रैल तक वे स्वयं कोलकाता एयरपोर्ट पर मौजूद रहकर हाजियों को विदा करेंगे। मंत्री रविवार को रांची के कडरू स्थित हज हाउस में रविवार को हज यात्रियों के लिए आयोजित एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मंत्री ने कहा कि इस वर्ष लगभग 1530 हाजियों को हज यात्रा पर भेजा जाएगा, जिनमें 250 मुंबई, 246 दिल्ली और 1036 कोलकाता से रवाना होंगे।

उन्होंने हाल के दिनों में खाड़ी देशों की परिस्थितियों को लेकर फैल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

उन्होंने बताया कि वे भारत सरकार और संबंधित एजेंसियों के संपर्क में हैं। अबतक कोई ऐसी आधिकारिक गाइडलाइन जारी नहीं हुई है, जिससे हज यात्रा प्रभावित हो। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हाजियों के लिए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हैं। किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

मौके पर आफताब अहमद, हाजी शम्स तबरेज, इकराम अंसारी सहित बड़ी संख्या में हाजी मौजूद थे।

गरीब-गुरबों को रहने का आवास नहीं, हेमंत सोरेन झारखंड में बनाएंगे शीश महलः आदित्य साहू

रांची, (एजेंसी) : । झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने मुख्यमंत्री आवास निर्माण पर होने वाले खर्च को लेकर राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत से बनने वाला मुख्यमंत्री आवास शीश महल की तरह है और यह जनता के पैसे की फिजूलखर्ची है।रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आदित्य साहू ने कहा कि खुद को गरीबों की सरकार बताने वाली सरकार इतनी बड़ी राशि अपने आवास पर खर्च कर रही है, जो झारखंड की आदिवासी और मूलवासी जनता की मेहनत की कमाई का दुरुपयोग है।

उन्होंने बताया कि भवन विभाग द्वारा जारी टेंडर की प्रारंभिक लागत 67 करोड़ रुपये है, जिसमें इंटीरियर और फर्नीचर का खर्च शामिल नहीं है।

समुद्र में डूबने से अभिनेता राहुल अरुणोदय बनर्जी का निधन, बांग्ला फिल्म जगत में शोक की लहर

कोलकाता, ,(एजेंसी) : बांग्ला फिल्म और धारावाहिक जगत के जाने-माने अभिनेता राहुल अरुणोदय बनर्जी का रविवार को ओडिशा के तालसारी समुद्र तट के पास एक दुर्घटना में निधन हो गया। वह 42 वर्ष के थे।

जानकारी के अनुसार, राहुल अपने चल रहे धारावाहिक की शूटिंग के सिलसिले में दिघा के पास तालसारी समुद्र तट पर मौजूद थे। शूटिंग के दौरान वह एक दृश्य के लिए समुद्र के पानी में उतरे थे, तभी यह हादसा हो गया।बताया जा रहा है कि कुछ समय तक पानी में रहने के बाद वह अचानक लापता हो गए। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आए तो इकाई के सदस्यों और तकनीकी कर्मियों ने खोजबीन शुरू की। काफी प्रयास के बाद उन्हें पानी से बाहर निकाला गया।

उन्हें तत्काल दिघा के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने वहां पहुंचने से पहले ही मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह कई मिनट तक पानी के भीतर रहे थे। शव का चिकित्सकीय परीक्षण कराए जाने की संभावना है।राहुल बनर्जी बांग्ला सिनेमा और धारावाहिकों का एक जाना-पहचाना चेहरा थे। उन्होंने अनेक फिल्मों और मंच प्रस्तुतियों में काम किया था तथा अपनी अभिनय प्रतिभा से अलग पहचान बनाई थी।

मन की बात के 132वें एपिसोड में बोले पीएम मोदी, जागरूक रहें, बहकावे में न आएं

नई दिल्ली,(एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में देश को संबोधित करते हुए नागरिकों से सजग और जिम्मेदार बने रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि दुनिया पहले ही कोविड-19 महामारी के कारण लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों से गुजर चुकी है और उम्मीद थी कि इसके बाद वैश्विक हालात सुधरेंगे, लेकिन इसके विपरीत कई क्षेत्रों में युद्ध और संघर्ष की स्थिति लगातार बनी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने खास तौर पर पड़ोसी देशों में जारी भीषण संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका असर केवल उन देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर इसके परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में भारतीयों के परिवार और रिश्तेदार रहते हैं, विशेषकर खाड़ी देशों में कार्यरत लोग। उन्होंने खाड़ी देशों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां रह रहे एक करोड़ से अधिक भारतीयों की हर संभव मदद की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में संघर्ष चल रहा है, वे भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के प्रमुख स्रोत हैं। ऐसे में पेट्रोल और डीजल को लेकर वैश्विक संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत ने पिछले एक दशक में अपने वैश्विक संबंधों को मजबूत किया है, जिससे वह इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है।पीएम मोदी ने इस समय को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि सभी देशवासियों को एकजुट होकर देशहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह विषय राजनीति से ऊपर है और इससे 140 करोड़ नागरिकों का भविष्य जुड़ा हुआ है।प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि अफवाहें फैलाने वाले तत्व देश को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जागरूक रहें और किसी भी भ्रामक सूचना के बहकावे में न आएं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश पहले की तरह इस संकट से भी एकजुट होकर बाहर निकलेगा।

युवाओं और खेलों पर विशेष जोर प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और युवाओं की भागीदारी से राष्ट्र निर्माण को नई दिशा मिलती है। उन्होंने माय भारत जैसे संगठनों और विभिन्न प्रतियोगिताओं में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। खेलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने टी-20 विश्व कप और रणजी ट्रॉफी में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ रहा है, खासकर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी उल्लेखनीय है।प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपनी जीवनशैली में सुधार लाने की अपील करते हुए कहा कि योग और नियमित व्यायाम को अपनाना जरूरी है। उन्होंने शुगर और खाने के तेल के अत्यधिक सेवन से बचने की सलाह दी, ताकि जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचा जा सके।

राज्यपाल ने रांची में निमार्णाधीन अत्याधुनिक पुस्तकालय का किया निरीक्षण

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को रांची के मोरहाबादी स्थित निमार्णाधीन अत्याधुनिक पुस्तकालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अभियंताओं और कर्मियों से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान राज्यपाल ने कहा कि यह परियोजना केवल एक भवन नहीं, बल्कि ज्ञान, अध्ययन और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत दिए गए योगदान की सराहना की।

राज्यपाल ने विश्वास जताया कि रांची को जल्द ही एक ह्यवर्ल्ड क्लास मॉडर्न लाइब्रेरीह्न मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह छह मंजिला पुस्तकालय अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जहां एक साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन कर सकेंगे। यह पुस्तकालय न केवल रांची

बल्कि पूरे झारखंड के युवाओं के लिए ज्ञान और आत्मविकास का प्रमुख केंद्र बनेगा।

राज्यपाल ने कहा कि यह लाइब्रेरी प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करेगी और उनके सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राज्यपाल ने यह भी बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान बरेली में भी इसी तरह की आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक मॉडल लाइब्रेरी स्थापित की गई थी।

इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि यह पहल खासकर ग्रामीण और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जिन्हें अक्सर संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय के प्रथम तल पर देश के वीर सपूतों के चित्र और उनकी जीवनियां प्रदर्शित की जाएंगी, ताकि छात्र-छात्राएं उनसे प्रेरणा ले सकें।

संजय सेठ ने कहा कि यह आधुनिक पुस्तकालय देश के चुनिंदा लाइब्रेरी में शामिल होगा और इसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अलग से अध्ययन और बैठने की व्यवस्था की जाएगी।

तमिलनाडु चुनाव: टीवीके ने की उम्मीदवारों की घोषणा, एक्टर विजय दो सीटों से लड़ेंगे चुनाव

टीवीके की सरकार बनी तो 29 साल से ज्यादा उम्र के युवाओं को हर महीने 4,000 देने का वादा

चेन्नई,(एजेंसी) : तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने रविवार को अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की सूची का ऐलान किया। 234 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। सबसे बड़ी खबर यह रही कि विजय खुद दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। वे त्रिची ईस्ट और चेन्नई के परम्बूर से मैदान में उतरेंगे। दोनों सीटों पर उनका नाम सी जोसेफ विजय के रूप में दर्ज है। यह पहली बार है जब विजय सीधे चुनावी मैदान में उतर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीवीके के महासचिव एन आनंद टी नगर से, कोषाध्यक्ष वेंकट रमनन मायलापुर से और आधव अर्जुन विल्लिवाक्कम से चुनाव लड़ेंगे।

इसके अलावा गोबीचेट्टीपालयम से के सेंगोट्टयान, तिरुचेंगोडे से केजी अरुणराज, तिरुपरनकुंडम से सीटीआर निर्मल कुमार, थाउजेंड लाइट्स से जेसीडी प्रभाकर, कोलाथुर से वीएस बाबू और आरके नगर से डॉ मारिया विल्सन को टिकट दिया गया है। उम्मीदवारों की घोषणा के साथ-साथ विजय ने युवाओं के लिए कई बड़े वादे भी किए हैं। पार्टी ने ऐलान किया कि अगर टीवीके सरकार बनी तो 29 साल से ज्यादा उम्र के उन युवाओं को हर महीने 4,000 रुपए दिए जाएंगे जिन्हें अभी तक नौकरी नहीं मिली है। डिप्लोमा धारकों को हर महीने 2,500 रुपए देने का वादा किया गया है।

इसके अलावा तमिल एंप्लॉयमेंट क्रेडिट सिस्टम का भी ऐलान किया गया। इसके तहत जो निजी कंपनियां अपने 75 फीसदी कर्मचारी तमिलनाडु के लोगों में से रखेंगी उन्हें सीजीएसटी में 2.5 फीसदी और बिजली बिल में 5 फीसदी की छूट दी जाएगी। उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए विजय भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसे लोगों को चुना है जो जनता की बात सुनेंगे और उनकी समस्याओं का जवाब देंगे।

अनियंत्रित होकर कार पलटने से लगी भीषण आग, तीन की जलकर मौत, तीन घायल

राहगीरों ने कांच तोड़कर तीन लोगों को निकाला, मृतकों में एक 3 साल का बच्चा भी

बालाघाट,(एजेंसी) : मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में बैहर-मलाजखंड मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। पलटते ही कार में आग लग गई। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के तीन लोग जिंदा जल गए। मृतकों में एक 3 साल का बच्चा भी है। पुलिस के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।जानकारी के मुताबिक कार चालक प्रीतम केलकर की पवनी में वेल्डिंग की दुकान है। वह तीन दिन पहले अपनी पत्नी और बच्चे के साथ पोंडी आया था। वह शनिवार देर रात अपने माता पिता को लेकर पवनी लौट रहा था। कार में 8 साल की बच्ची पूर्वी भी थी। शनिवार रात केवलारी चौराहे के पास उनकी

ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसके बाद कार में आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि उसमें सवार लोगों को कार से बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। राह चलते लोगों ने किसी तरह कांच तोड़कर पहले पूर्वी को निकाला, उसके बाद वाहन चला रहे प्रीतम केलकर (30) और उसकी मां नानाबाई केलकर (60) को गंभीर अवस्था में निकाला। हादसे की सूचना राह चलते लोगों ने पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पंहुची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि डायल 112 पर सूचना मिली कि केवलारी चौराहे के पास एक वाहन में आग लग गई है।

बंगाल में कांग्रेस ने 284 उम्मीदवार उतारे, अधीर रंजन चौधरी समेत कई बड़े चेहरे मैदान में

नई दिल्ली, ,(एजेंसी) : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने 294 में से 284 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और राज्य में अकेले दम पर चुनाव लड़ने लड़ेगी।

जारी सूची में बहारामपुर से वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी, भवानीपुर से प्रदीप प्रसाद, बालीगंज से रोहन मित्रा, जादवपुर से श्यामली मंडल और दार्जिलिंग से मधाप राय जैसे प्रमुख चेहरे शामिल हैं, जबकि मालतीपुर से हाल ही में शामिल हुईं मौसम नूर को मैदान में उतारा गया है। पार्टी ने अपने पारंपरिक गढ़ मुर्शिदाबाद और मालदा पर खास फोकस करते हुए व्यापक सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश की है। राज्य में चुनाव 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को दो चरणोंमें होंगे, जबकि मतगणना 04 मई को की जाएगी।

पार्टी ने 1 मेकलीगंज (एससी) से इला रानी राय, 2 माथाभांगा (एससी) से खितेन्द्र नाथ बर्मन, 3 कूचबिहार उत्तर (एससी) से पार्थ प्रतिम ईश्वर, 4 कूचबिहार दक्षिण से खोखन मियां, 5 सिटलाकुची (एससी) से सुकमल बर्मन, 6 सिताई (एससी) से राबिन राय, 7 दिनहाटा से हरिहर राय सिंघा, 8 नाटबाड़ी से बिस्वजीत सरकार, 9 तूफानगंज से देवेन्द्र नाथ बर्मा, 10 कुमारग्राम (एसटी) से सुधाम लामा, 11 कालचीनी (एसटी) से अंजान चिक बराइक, 13 फालाकाटा (एससी) से अक्षय कुमार बर्मन, 14 मदारीहाट (एसटी) से डॉ. जॉय प्रफुल्ल लाकड़ा, 15 धुपगुड़ी (एससी) से हरीश चंद्र राय, 16 मयनागुड़ी (एससी) से जोगेन सरकार, 17 जलपाईगुड़ी (एससी) से सुदीप्तो मोहंतो, 18 राजगंज (एससी) से तुषार कांति राय, 19 डाबग्राम-फुलबाड़ी से रोहित सिंह सिसोदिया, 20 माल (एसटी) से रकिश कुजूर, 21 नागराकाटा (एसटी) से शिनु मुंडा, 22 कालिम्पोंग से संता कुमार प्रधान, 23 दार्जिलिंग से मधाप राय, 24 कुर्सियांग से सरोज कुमार खत्री, 25 माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी (एससी) से अमिताभ सरकार, 26 सिलीगुड़ी से आलोक धारा, 27 फांसीदेवा (एसटी) से नबनिता तिर्की, 28 चोपड़ा से जाकिर आबेदीन, 30 गोलपोखर से मसूद नसीम अहसन, 31 चाकुलिया से अली इमरान रम्ज, 32 करंदीघी से मुर्शिद आलम और 33 हेमताबाद (एससी) से अनामिका राय को उम्मीदवार बनाया गया है।

इसी तरह 34 कालियागंज (एससी) से गिरधारी प्रमाणिक, 35 रायगंज से मोहित सेनगुप्ता, 36 इटाहर से अमल आचार्य, 37 कुशमंडी (एससी) से बबलू सरकार, 38 कुमारगंज से गुलाम मतुर्जा मंडल, 39 बालुरघाट से प्रदीप कुमार मित्रा, 40 तपन (एसटी) से बंकिम चंद्र टोप्पो, 41 गंगारामपुर (एससी) से जुई बर्मन, 42 हरिरामपुर से सुभाशीष पाल, 43 हबीबपुर (एसटी) से राजेन सोरेन, 44 गाजोल (एससी) से संजय सरकार, 45 चांचल से आसिफ मेहबूब, 46 हरिश्चंद्रपुर से मोस्ताक आलम, 47 मालतीपुर से मौसमी नूर, 48 रतुआ से मोत्ताकिन आलम, 49 मानिकचक से अंसारुल हक, 50 मालदा (एससी) से भूपेंद्र नाथ हलदार, 51 इंग्लिश बाजार से मसूद आलम, 52 मोथाबाड़ी से सायेम चौधरी, 53 सुजापुरसे अब्दुल हन्नान, 54 बैष्णबनगर से मामुनी मंडल, 56 समसेरगंज से नजमे आलम, 57 सूती से अल्फाजुद्दीन बिस्वास, 58 जंगीपुर से मोहम्मद इमरान अली, 59 रघुनाथगंज से नासिर शेख, 61 लालगोला से तौहीदुर रहमान, 62 भगवानगोला से अंजु बेगम, 63 रानीनगर से जुल्फिकर अली, 64 मुर्शिदाबाद से सिद्दीकी अली, 65 नबाग्राम (एससी) से हीरू हलदार, 66 खारग्राम (एससी) से डॉ. मंदार कांति मंडल, 67 बुरवान है।

बंगाल में अगर बीजेपी आई तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे : ममता

कोलकाता,(एजेंसी) : तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कि यदि बीजेपी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बंगाल की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर रोक लगा सकती है। बीजेपी के आने पर लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे।रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसे विचारों को बढ़ावा देती है, जिनमें मछली, मांस और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध की बात कही जाती है। उन्होंने दावा किया कि यह बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला होगा। उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातीय विभाजन करने के साथ ही दंगे भड़काने के आरोप भी लगाए।टीएमसी सुप्रीमो ममता ने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना

साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा टीएमसी के खिलाफ जारी की गई ह्यचार्जशीटह्न निराधार है और असल में भाजपा को अपने पिछले रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने गुजरात के दंगों का जिक्र करते हुए बीजेपी की आलोचना की।इसके साथ ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार की लक्ष्मी भंडार योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले लाभ देने का वादा करती है, लेकिन बाद में योजनाओं को बंद कर देती है।चुनाव आयोग की प्रक्रिया ह्यस्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि करीब 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, कहा कि जिस तरह उन्होंने अपना फिल्मी करियर छोड़कर जनता के लिए राजनीति में कदम रखा, उसी तरह ये उम्मीदवार भी जनता के लिए समर्पित हैं।रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने लोगों से एक मौका देने की अपील करते हुए कहा कि उम्मीदवार अलग नहीं हैं और वे खुद भी अलग नहीं हैं, सब एक ही मकसद के साथ मैदान में उतार रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

रिल्स बनाने के चक्कर में 25 हजार हाइटेंशन तार में सटे दो युवक, एक की मौत, एक इलाजरत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बालीडीह थाना क्षेत्र के बोकारो रेलवे गुड साइडिंग एन केबिन के पास खडे मालगाडी पर चढ कर रिल्स बनाना रविवार को दो युवकों को महंगा पड गया। दोनों युवक मालगाडी के उपर से गुजर रहे 25 हजार हाइटेंशन तार के चपेट में आ गये। इसमें दोनों गंभीर रूप से झूलस गये।सूचना पाकर आरपीएफ ओसी संतोष कुमार ने रेलवे मेंस कांग्रेस के पूर्व पदाधिकारी राजन कुमार उपाध्याय के सहयोग से दोनों युवकों को इलाज के लिए बोकारो जेनरल अस्पताल भेजा। चिकित्सकीय जांच पडताल के बाद एक युवक कौशिक शर्मा (16 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक युवक अभिमन्यु (16 वर्ष) का इलाज अस्पताल में चल रहा है। जानकारी मिलने पर बालीडीह इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह अस्पताल पहुंचे।मामले की पूरी जानकारी ली। दोनों युवकों के परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे हैं।जानकारी के अनुसार दोनों युवक बारी को-ऑपरेटिव के रहनेवाले है।रविवार को बारी को-ऑपरेटिव कॉलोनी में रहनेवाले पांच से सात युवकों की टोली रिल्स बनाने बोकारो रेलवे गुड साइडिंग एन केबिन के पास पहुंचे थे।सभी नीचे थे, जबकि दो युवक रिल्स बनाते-बनाते जोश में मालगाडी के उपर चढ गये।रिल्स बनाने के चक्कर में ध्यान नहीं रहा।दोनों ने हाथ उपर कर दिया। इसी क्रम में उनका हाथ उपर से गुजर रहे 25 हजार हाइटेंशन तार के संपर्क में आ गया। जोरदार झटके व तेज आवाज के रौशनी की लपक उठी।दोनों युवक मालगाडी से नीचे झटके से गिर गये।घटना को देखकर पास से गुजर रहे मेंस रेलवे कांग्रेस के पूर्व पदाधिकारी राजन कुमार उपाध्याय ने हो हल्ला शुरू किया।इसके बाद सभी आरपीएफ ओसी संतोष कुमार गाडी लेकर तुरंत पहुंचे। दोनों को उठा कर इलाज के लिए बीजीएच भेजा। इधर, घायल युवकों के दोस्तों ने बताया कि वे सभी बारी को-ऑपरेटिव के रहनेवाले है।फिलहाल घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर बारी को-ऑपरेटिव निवासी दर्जनों लोग अस्पताल पहुंचे।घटना के बारे पूछताछ कर रहे थे।

कोसुम्भा की निर्भया को अब तक नहीं मिला न्याय, अन्नपूर्णा देवी ने सरकार को घेरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के कोसुम्भा में 12 वर्षीय मासूम के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के छह दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। रविवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के नेतृत्व में भाजपा के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार का मौन उसकी संवेदनहीनता को दशार्ता है। 24 मार्च की रात मासूम के साथ हुई बर्बरता ने देश को हिला देने वाले निर्भया कांड की यादें ताजा कर दी हैं। घटना के छह दिन बाद भी हत्यारे पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू द्वारा दिया गया रविवार तक का अल्टीमेटम पूरा हो गया है। पार्टी ने घोषणा की थी कि यदि गिरफ्तारी नहीं हुई तो सोमवार से हजारीबाग बंद का आह्वान किया जाएगा। पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचीं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि झारखंड में नारियों पर अत्याचार और हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। राज्य सरकार केवल कागजों पर नारी सम्मान की बात करती है। पुलिस प्रशासन कोयला, बालू और पत्थर की लूट को संरक्षण देने में व्यस्त है। ट्रकों की गिनती के लिए अफसरों के पास समय है, लेकिन एक गरीब नाबालिग की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए कोई नहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन की चुप्पी पर भी कटाक्ष किया कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद सरकार की ओर से एक ट्वीट तक नहीं किया गया है।

मातम में बदलीं जन्मदिन की खुशियां, देउड़ी मंदिर जा रहे बारीडीह के दो युवकों की सड़क हादसे में मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : एक ओर जहां अमन कुमार के घर पर उसके जन्मदिन के जश्न की तैयारियां चल रही थीं, वहीं दूसरी ओर नियति ने कुछ और ही लिख रखा था। रविवार को जमशेदपुर के बारीडीह निवासी दो युवकों की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा चांडिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत जमशेदपुर-रांची नेशनल हाईवे पर हुआ। मृतक अमन कुमार (23) और विकास रजक (22) अपने दोस्त कप्तान शर्मा के साथ बाइक पर सवार होकर जन्मदिन मनाने के लिए तमाड़ स्थित प्रसिद्ध देउड़ी मंदिर जा रहे थे।प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अमन और विकास एक ही बाइक पर सवार होकर मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। बाइक कप्तान शर्मा चला रहा था, जिसे हल्की चोट आई है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने आनन-फानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतकों में अमन कुमार एक ट्रांसपोर्ट व्यवसायी थे, जबकि विकास रजक बजाज फाइनेंस में कार्यरत थे।दोनों बारीडीह के ही रहने वाले थे और गहरे दोस्त थे।इस खबर के पहुंचते ही बारीडीह इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जो सुबह तक अपने लाडलों के जन्मदिन की खुशियां मनाने की योजना बना रहे थे।हादसों के लिहाज से चांडिल का यह क्षेत्र खतरनाक साबित हो रहा है।गौरतलब है कि जून 2024 में भी इसी तरह की एक दुखद घटना सामने आई थी, जब रतिक्रांत दास नामक युवक की बर्थडे पार्टी से लौटते समय बाइक फिसलने से मौत हो गई थी।पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही ने सरकार और प्रशासन को घेरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : श्री वंशीधर नगर में शनिवार को अपराधियों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए व्यवसायी उमेश मेहता पर दिनदहाड़े गोलीबारी की, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी। इस घटना के बाद क्षेत्र के पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्थानीय प्रशासन और सत्ता पक्ष पर तीखा हमला बोला है।पूर्व विधायक श्री शाही ने सोशल मीडिया पर वीडियो और पोस्ट साझा कर कहा कि श्री वंशीधर नगर में हर महीने व्यवसायियों को निशाना बनाया जाना यह दशार्ता है कि इलाके में आतंक का बोलबाला है।

चैत्र एकादशी पर देवघर में बाबा बौद्धनाथ मंदिर में उमड़ा जनसैलाब

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : चैत मास की एकादशी और रविवार के संयोग ने बाबा मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ इतनी अधिक रही कि मंदिर परिसर से लेकर मुख्य द्वार तक जाम की स्थिति बनी रही।भीड़ बढ़ने की मुख्य वजह अवकाश दिवस के साथ-साथ उपनयन एवं मुंडन के लिए इस तिथि का विशेष महत्व माना जा रहा है।मंदिर में प्रवेश कराने वाले सभी के मुख्य प्रवेश द्वार में खास कर सिंह द्वार की स्थिति सबसे ज्यादा खराब दिखी।यहां श्रद्धालुओं को अंदर-बाहर होने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वीआईपी गेट को आम भक्तों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया था। कूपनधारी श्रद्धालुओं को सुविधा केंद्र के होल्डिंग प्वाइंट से कतारबद्ध तरीके से प्रशासनिक भवन में प्रवेश कराया गया।वहीं अव्यवस्था से बचने के लिए प्रशासनिक भवन का प्रवेश द्वार भी शाम चार बजे तक बंद रखा गया।दिनभर में करीब एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा पर जलार्पण किया, जिनमें 6771 श्रद्धालु कूपन के माध्यम से शामिल हुए। भारी भीड़ के बीच मंदिर प्रशासन की व्यवस्थाएं कई जगहों पर कमजोर पड़ती नजर आयी।सबसे ज्यादा परेशानी उपनयन और मुंडन संस्कार कराने आये श्रद्धालुओं को हुई।सुबह से शाम तक लोग खुले आसमान के नीचे धूप में ही अनुष्ठान कराते दिखे।कई जगहों पर लोग छाता लगाकर धूप से बचने की कोशिश करते नजर आये।जगह की कमी के कारण उमा भवन के दोनों तलों पर भी श्रद्धालुओं को बेहद कम जगह में अनुष्ठान करना पड़ा।वहीं सैकड़ों लोग खाली स्थान मिलने का इंतजार करते दिखे।इस दौरान मंदिर परिसर में दो हजार से अधिक उपनयन और तीन हजार से अधिक मुंडन संस्कार संपन्न हुए। भीड़ के दबाव में व्यवस्था चरमराने से श्रद्धालुओं की आस्था के साथ उनकी परेशानी भी साफ झलकती रही।

जे-टेट में भूमिज भाषा की वापसी, मातृभाषा में परीक्षा का मौका मिलने से समाज में खुशी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 (जे-टेट) में जनजातीय भाषा भूमिज को पुनः शामिल कर लिया गया है। यह निर्णय पोटका के विधायक संजीव सरदार के लगातार प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। इस संबंध में झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (प्राथमिक शिक्षा निदेशालय) द्वारा अधिसूचना संख्या 487/26.03.2026 जारी कर दी गई है, जिससे भूमिज समाज में खुशी की लहर दौड़ गई है।तेंतला में आयोजित पत्रकार वार्ता में भूमिज विशेषज्ञ हरिश चंद्र सिंह भूमिज, जुड़ी पंचायत के मुखिया सुकलाल सरदार एवं भारतीय आदिवासी भूमिज समाज के प्रदेश अध्यक्ष रथु सिंह सरदार ने बताया कि जे-टेट 2012 और 2016 के बाद भूमिज भाषा को परीक्षा से हटा दिया गया था। इस मामले को लेकर विधायक संजीव सरदार ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं विभागीय अधिकारियों से लगातार संवाद और पत्राचार किया। साथ ही विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी उन्होंने इस मुद्दे को मजबूती से उठाया, जिसके बाद यह निर्णय संभव हो सका।भूमिज समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि अब समाज के शिक्षित युवा अपनी मातृभाषा भूमिज में परीक्षा देकर अपने भविष्य को बेहतर बना सकेंगे। इसके लिए रांची, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों को परीक्षा केंद्र के रूप में नामित किया गया है। इस निर्णय से समाज के युवाओं में उत्साह का माहौल है और इसे उनके शैक्षणिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।भूमिज समाज ने इस उपलब्धि के लिए विधायक संजीव सरदार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही तत्कालीन शिक्षा मंत्री दिवंगत रामदास सोरेन के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाज के लोगों ने बताया कि जल्द ही स्वागत एवं आभार यात्रा निकालकर विधायक संजीव सरदार, घाटशिला विधायक सोमेश सोरेन, जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी, विधायक समीर कुमार महंती एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा।पत्रकार वार्ता मे मुख्य रूप से सतीश सरदार, पंसस मंजु सरदार, रामेश्वर सरदार, अमल सिंह, मनोरंजन सरदार, ईश्वरलाल सरदार, भृगुराम सरदार, अरूप सरदार, कृष्ण सिंह सरदार, विष्णु पद सरदार, सागर सरदार, लाल सरदार, अशीष सरदार आदि उपस्थित थे।

पाम संडे:होसन्ना की गूंज से गूंज उठा नोआमुंडी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : नोआमुंडी स्थित सेंट मैरी चर्च नोआमुंडी प्रांगण में खजूर पर्व (खजूर रविवार) अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः साढ़े सात बजे से ही ख्रीस्तीय मसीही विश्वासीगण बड़ी संख्या में चर्च परिसर में एकत्रित होने लगे, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और उत्साह से भर उठा।कार्यक्रम की शुरूआत पुरोहित द्वारा खजूर की डालियों पर आशीष प्रदान करने से हुई, जो प्रभु के स्वागत और आस्था का प्रतीक है। इसके पश्चात प्रभु यीशु मसीह के येरूसलम प्रवेश की स्मृति में एक भव्य और मनोहारी शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा पुराने गिरजाघर से प्रारंभ होकर टाटा स्टील के केमिस्ट्री प्रयोगशाला मार्ग होते हुए पुनः चर्च प्रांगण में आकर संपन्न हुई। इस दौरान ह्वदाऊद के पुत्र को होसन्नाह्व के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा और श्रद्धालु भक्ति में लीन दिखाई दिए।तत्पश्चात पवित्र मिस्सा बलिदान पल्ली पुरोहित फादर जॉर्ज एक्का द्वारा अत्यंत श्रद्धापूर्वक सम्पन्न कराया गया। अपने प्रेरणादायी प्रवचन में उन्होंने कहा कि खजूर रविवार के साथ ही हम पुण्य सप्ताह में प्रवेश करते हैं।यह समय प्रभु यीशु मसीह के त्याग, दुखभोग और पुनरुत्थान को आत्मसात करने का पवित्र अवसर है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से गुड फ्राइडे के दिन उपवास, प्रार्थना और परहेज रखने का आह्वान किया, ताकि हम आत्मिक रूप से और अधिक सशक्त बन सकें।इस पावन अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी भव्य बना दिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से फादर जॉर्ज एक्का, सिस्टर लिसयू, , सलोमी धनवार, अनुपम शिशिर धनवार, किशोर धनवार, रवि वेक, बीनसेट एक्का, अजीत होरो, मनोज लकड़ा, हरिसन टियू, अनुभा प्रीति कुजुर, हेम गुलाबी एक्का, संगीता लकड़ा एवं प्रतिमा कांडुलना सहित कई सम्मानित जन उपस्थित रहे।यह पावन आयोजन न केवल आस्था का प्रतीक बना, बल्कि पूरे ईसाई समुदाय के बीच प्रेम, एकता और आध्यात्मिक जागृति का सशक्त संदेश भी छोड़ गया।

झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे मुख्यमंत्री,सुदिव्य कुमार ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत पार्टी के कई बड़े नेता सोमवार की शाम गिरिडीह आ रहे हैं। झामुमो जिला अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पार्टी के स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगे। इधर रविवार को नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि संगठन के लोग हर वर्ष कार्यक्रम को मनाते है।

आरोपियों को गिरफ्तार कर तत्काल मिले फांसी की सजा,48घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं तो होगा बृहद आंदोलन : जयराम महतो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत कुसुंभा पंचायत के 12 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी व हत्या को लेकर जिले भर में भारी उबाल देखा जा रहा है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो विष्णुगढ़ पहुंचे, उन्होंने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर ढाढस बंधाते हुए उचित न्याय दिलाने एवं हर संभव मदद करने का भरोसा दिया साथ ही घटना स्थल का जायजा लिया।

उन्होंने डीएसपी से फोन के माध्यम से आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया।मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि मासूम बच्ची की अस्मिता और जीवन को इस तरह कुचल देना हमारी सामाजिक संवेदनाओं, कानून व्यवस्था और सामूहिक जिम्मेदारी पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।प्रशासन अविलंब इस जघन्य अपराध में संलिप्त सभी दोषियों को गिरफ्तार करें एवं फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर उनके विरुद्ध उदाहरणात्मक कार्रवाई कर कठोरतम फांसी की सजा दिलाई जाए, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी अमानवीय घटना करने का दुस्साहस न कर सके।इस कठिन समय में मैं पूरी संवेदना, जिम्मेदारी और दृढ़ता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हूं। मैं परिवार को हर संभव सहायता और न्याय दिलवाने हेतु प्रयास करूंगा। घटना के बाद 4 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी न होना बहुत ही निंदनीय हैं। बहुत दुःख की बात है ।

अभी तक मुख्यमंत्री के द्वारा पीड़ित परिजनों के प्रति कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। सरकार केवल अपने करोड़ों रुपयों के बंगले बनाने में व्यस्त हैं।झारखंड सरकार पीड़ित परिजनों को उचित न्याय,सुरक्षा व उचित मुआवजा मुहैया कराएं।साथ ही आरोपियों को फांसी की सजा दें।यदि 48 घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो पूरे झारखंड में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के बैनर तले पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने हेतु सड़क से सदन तक जोरदार आंदोलन करेंगे।साथ ही जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती प्रखंड प्रशासन घटना स्थल को मार्किंग कर बेरीकेडिंग करे।इस दौरान पार्टी के जिला अध्यक्ष सह उप प्रमुख सरयू साव, केंद्रीय संगठन महासचिव माही पटेल कुसुंभा पंचायत मुखिया दुलारचंद पटेल,पार्टी प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो पूर्व पश्चिमी जिप सदस्य जय प्रकाश सिंह पटेल, मध्य जिप सदस्य शेख तैयब, इंजिनियर मुकेश कुमार महतो, जिला सदस्य टहल महतो, बगोदर प्रखंड अध्यक्ष उमेश महतो,सामजेवी हीरामन महतो, सुशील महतो, प्रखंड उपाध्यक्ष सुरेश कुमार, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, संगठन मंत्री विशेश्वर कुमार,हेमलाल महतो,प्रकाश महतो, सन्नी कुमार,कमल सिंह,चिंतामन महतो, टेकलाल महतो ,भीम महतो, माणिकचंद महतो, रंजीत कुमार,समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रेमिका के एक इशारे पर बोकारो से श्री वंशीधर नगर पहुंचा शूटर, युवक को मारी गोली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : इश्क में अंधी एक लड़की की ख्वाहिश को पूरा करने के लिए बोकारो का एक युवक शूटर बन गया और श्री वंशीधर नगर आकर एक व्यवसायी के सीने में गोली उतार दी। शनिवार को श्री वंशीधर नगर थाना क्षेत्र में हुई उमेश मेहता हत्याकांड की कोशिश का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है।गिरफ्तार आरोपी संदीप कुमार सिंह (पिता- संजय कुमार सिंह, सेक्टर 02डी, बोकारो) ने कुबूल किया है कि उसने यह कदम अपनी प्रेमिका के कहने पर उठाया था।घटनाक्रम किसी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसा है पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रेम प्रसंग की इस उलझन में प्रेमिका ने उमेश मेहता को रास्ते से हटाने का फरमान सुनाया था। इसी फरमान को पूरा करने के लिए संदीप कुमार सिंह अपनी मोटरसाइकिल से बोकारो से गढ़वा पहुंचा।मौका मिलते ही उसने उमेश पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।वारदात को अंजाम देकर आरोपी अपनी बाइक से भागने की फिराक में था, लेकिन गढ़वा पुलिस की मुस्तैदी ने उसकी प्लानिंग फेल कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर पूरे जिले में एंटी क्राइम चेकिंग शुरू कर दी गई।पीसीआर वाहन चार्ली-05 में तैनात सअनि अरुण कुमार यादव और सशस्त्र जवानों को संदिग्ध बाइक का पीछा करने का टास्क मिला।पुलिस ने फिल्मी अंदाज में आरोपी का पीछा किया और एनएच किनारे स्थित ग्राम बोंगासी में उसे दबोच लिया।जब उसकी तलाशी ली गई, तो उसके पास से वही देशी कट्टा बरामद हुआ जिससे गोली चलाई गई थी।गौर करने वाली बात यह थी कि कट्टे में अभी भी एक खाली खोखा फंसा हुआ था, जो इस बात की तस्दीक कर रहा था कि गोली इसी ने चलाई है।पुलिस ने आरोपी के पास से एक जिंदा कारतूस, लड़की का मोबाइल और एक आईक्यू कंपनी का मोबाइल बरामद किया है।इन मोबाइलों के कॉल रिकॉर्ड्स और चैट्स से इस प्रेम प्रसंग और साजिश की पूरी कहानी साफ होने की उम्मीद है।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ श्री वंशीधर थाना कांड संख्या-65/26 दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।अब पुलिस उस मास्टरमाइंड लड़की की भूमिका की भी जांच कर रही है, जिसके इशारे पर बोकारो के इस युवक ने अपराध की दुनिया में कदम रखा।प्रेस क्रांफेस में एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने यह जानकारी दी।मौके पर थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार भी मौजूद थे।

हज यात्रा: रांची में विशेष ट्रेनिंग कैंप का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची के हज हाउस में रविवार को एक विशेष हज ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में पुरुष और महिलाओं ने भाग लेकर हज यात्रा से जुड़ी जरूरी जानकारियां हासिल कीं। इस कार्यक्रम में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हज यात्रियों की हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने जानकारी दी कि इस वर्ष झारखंड से लगभग 1500 हज यात्रियों को भेजने की तैयारी है। इनमें से 1000 से अधिक यात्रियों को कोलकाता से, करीब 250 को मुंबई से और 264 को दिल्ली से रवाना किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ट्रेनिंग कैंप में हज से जुड़ी गाइडलाइंस, जरूरी प्रक्रियाएं और वहां की परिस्थितियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उलेमाओं ने भी हाजियों को बताया कि उन्हें किन-किन नियमों और शर्तों का पालन करना होगा। खाड़ी देशों में चल रहे तनाव को लेकर उठ रही चिंताओं पर मंत्री ने कहा कि सरकार लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों से संपर्क में है। फिलहाल ऐसी कोई गाइडलाइन नहीं आई है जिससे हज यात्रा प्रभावित हो। रांची में इमिग्रेशन पॉइंट नहीं होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा फ्लाइट टेंडर प्रक्रिया के तहत कम लागत और अधिक क्षमता वाले विमानों का चयन किया जाता है।

महिला सशक्तिकरण संदेश के साथ रामगढ़ पहुंचीं साइक्लिस्ट आशा मालवीय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : राष्ट्रीय स्तर की एंड्योरेंस साइक्लिस्ट, पर्वतारोही व प्रेरक खिलाड़ी आशा मालवीय अपने राष्ट्रव्यापी साइक्लिंग अभियान के तहत रामगढ़ पहुंचीं।उनके आगमन पर रामगढ़ एसपी अजय कुमार, डीएफओ नीतीश कुमार ने उनका स्वागत किया और उनके अभियान की सराहना की।मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले की निवासी आशा मालवीय सौ व दो सौ मीटर दौड़ की राष्ट्रीय स्तर की एथलीट रह चुकी हैं. पर्वतारोहण के क्षेत्र में उन्होंने बीसी रॉय (20,500 फीट) एवं तेनजिंग खान (19,500 फीट) शिखरों पर सफल आरोहण किया है।साथ ही उनका नाम नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580

संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

राजगंज थाना प्रभारी का वीडियो वायरल, वर्दी में किया जमकर डांस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद से एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें राजगंज थाना की प्रभारी अलिशा अग्रवाल ड्यूटी के दौरान भोजपुरी गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो राजगंज में आयोजित चैती दुर्गा पूजा के मौके पर हुए डांडिया नाइट कार्यक्रम का है, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां शामिल हुई थीं।वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि थाना प्रभारी वर्दी में मौजूद हैं और मंच के पास कुछ महिलाओं के साथ भोजपुरी गाने पलंग सागवान पर ठुमके लगा रही हैं। इस गाने को अक्सर फूहड़ या अश्लील श्रेणी में रखा जाता है, जिस वजह से यह मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि एक जिम्मेदार पुलिस अधिकारी का इस तरह ऑन ड्यूटी और वर्दी में इस प्रकार के गाने पर डांस करना कई सवाल खड़े करता है। वहीं कुछ लोग इसे एक सामाजिक कार्यक्रम में सामान्य भागीदारी मान रहे हैं और इसे ज्यादा तूल देने के खिलाफ हैं।हालांकि, इस वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस विभाग की छवि को लेकर भी बहस छिड़ गई है। अब देखना होगा कि इस मामले में विभाग की ओर से कोई कार्रवाई होती है या इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है।फिलहाल, यह वीडियो इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इस पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बलियापुर में रामनवमी जुलूस पर पथराव मामले में पुलिस कार्रवाई पर महागठबंधन ने उठाए सवाल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के बलियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत भिखराजपुर में रामनवमी के दिन हुई घटना को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस मामले को लेकर गठबंधन के नेताओं ने सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए और घटना की कड़ी निंदा की।प्रेस वार्ता में गठबंधन के प्रतिनिधियों ने कहा कि घटना के बाद पुलिस द्वारा 18 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, लेकिन उससे पहले उन्हें बाजार में घुमाना बेहद आपत्तिजनक और गैरकानूनी है। नेताओं का आरोप है कि इस तरह की कार्रवाई न सिर्फ मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि कई निर्दोष लोगों को भी बेवजह परेशान किया गया है।उन्होंने कहा कि देश की सर्वोच्च अदालत के स्पष्ट निर्देश हैं कि जब तक किसी व्यक्ति का दोष साबित नहीं हो जाता, तब तक इस प्रकार की सार्वजनिक पहचान (टीआई परेड जैसे) या अपमानजनक व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। इसके बावजूद पुलिस द्वारा की गई यह कार्रवाई न्यायिक प्रक्रिया के विपरीत है।गठबंधन नेताओं ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए कहा कि संबंधित पुलिस अधिकारियों पर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि घटना में जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन निर्दोष लोगों को प्रताड़ित करना किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।प्रेस वार्ता के दौरान नेताओं ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इस मामले में न्यायसंगत कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आगे आंदोलन का रास्ता भी अपना सकते हैं।

धनबाद में तीन दिवसीय निःशुल्क योग शिविर, स्वयं को जानो कार्यक्रम का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद शहर जल्द ही योग और आध्यात्म के रंग में रंगने वाला है। अध्यात्म में प्रवेश स्वयं को जानो कार्यक्रम के तहत आगामी 24 से 26 अप्रैल तक एक भव्य तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन भारत योग यात्रा 2026 के अंतर्गत किया जा रहा है। इस संबंध में धनबाद क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान आयोजकों ने विस्तृत जानकारी साझा की।आनंद योग धारा, धनबाद द्वारा आयोजित इस विशेष शिविर में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग गुरु परमाचार्य स्वामी निरंजनानंद सरस्वती मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। उनके सानिध्य में प्रतिभागियों को योग, ध्यान और आध्यात्म के गूढ़ पहलुओं को समझने का अवसर मिलेगा।आयोजकों ने बताया कि यह शिविर केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य व्यक्ति को मानसिक शांति, आंतरिक संतुलन और आत्मबोध की दिशा में प्रेरित करना है। यह कार्यक्रम खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी होगा जो अपने जीवन में तनावमुक्ति और आध्यात्मिक जागरूकता की तलाश में हैं।यह तीन दिवसीय योग शिविर आ-ईआईटी (आईएसएम), धनबाद के परिसर में आयोजित किया जाएगा और इसमें भाग लेना पूरी तरह निःशुल्क होगा।

सिंदरी मे नव मनोनित कांग्रेस नगर अध्यक्ष राज बिहारी यादव का भव्य स्वागत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : शहरपुरा स्थित इंटक कार्यालय में कांग्रेसी कार्यकताओं द्वारा नव मनोनीत सिंदरी नगर अध्यक्ष राज बिहारी यादव का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। 24 मार्च 2026 को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा राज बिहारी यादव को सिंदरी नगर के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया था, जिसके उपरांत सिंदरी के कांग्रेसी कार्यकताओं में काफी उत्साह का माहौल बना और उसी उपलक्ष में रविवार सैंकड़ों की संख्या में कार्यकताओं ने पहले मोटरसाइकिल जुलूस निकाल कर नगर भ्रमण किया एवं गुरुद्वारा के समीप सेवा दल के नकुल वर्मा ने अपने साथियों के साथ नए अध्यक्ष का स्वागत किया, तदोपरांत इंटक कार्यालय में जिला महामंत्री सह पूर्व नगर अध्यक्ष राहुल राज ने सभी कांग्रेसियों के साथ नव मनोनीत अध्यक्ष को अंग वस्त्र एवं माला पहना कर अभिनंदन किया। मौके पर कई वरिष्ठ कांग्रेसी उपस्थित होकर नए अध्यक्ष को आशीर्वाद एवं आशीर्वचन दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सचिव रविंद्र वर्मा, जिला कांग्रेस कमिटी के वरीय उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह यादव एवं योगेंद्र सिंह योगी उपस्थित हुए एवं अपने संबोधन में उन लोगों ने कहा प्रदेश नेतृत्व में बहुत विचार कर इस जिम्मेदारी को राज बिहारी यादव को दिया है और प्रदेश एवं जिला नेतृत्व को पूर्ण भरोसा है कि इनके नेतृत्व में सिंदरी में संगठन पुनः धारदार होगा। राज बिहारी यादव ने अपने संबोधन में सर्व प्रथम शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश नेतृत्व एवं जिला नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनका पूरा प्रयास रहेगा कि जिस उम्मीद से नेतृत्व ने अध्यक्ष बनाया है उस पर पूर्ण रूप से खरा उतरूं, साथ ही साथ सिंदरी में सभी वरिष्ठ कांग्रेसियों के मार्गदर्शन में युवाओं को साथ लेकर तमाम जनहित के मुद्दों पर कार्य करने का प्रयास रहेगा।कार्यकताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर आने वाले एक साल के अंदर हर बूथ पर कम से कम 20 नए कार्यकर्ता को हर हाल में पार्टी से जोड़ना है ताकि हम हर प्रकार से मजबूत हो सकें।

रेरा की ओर से कार्यशाला का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झारखंड रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (झारखंड रेरा) की ओर से रविवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रेरा के नियमों और प्रावधानों की जानकारी दी है। कार्यशाला में मौजूद प्रतिनिधियों को बताया गया के रेरा की निगरानी अब केंद्र सरकार भी करेगी। 500 वर्ग मीटर से ज्यादा ओर आठ या इससे अधिक यूनिट वाले घरों का रजिस्ट्रेशन अब रेरा से करना जरूरी है। झारखंड रेरा के अध्यक्ष बिरेंद्र भूषण ने कहा कि किसी भी प्रोजेक्ट में निवेशकों को रेरा का रजिस्ट्रेशन नंबर देखकर ही निवेश करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि बिना रेरा में रजिस्टर्ड संपत्ति की खरीदी नहीं करें। साथ ही बताया कि झारखंड रेरा के पोर्टल पर सभी रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट्स का विवरण उपलब्ध है। पोर्टल पर प्रोजेक्ट के संबंधित सारा विवरण देख सकते हैं। अध्यक्ष ने कहा कि 500 वर्ग मीटर से बड़ा क्षेत्र एवं 8 से ज्यादा यूनिट वाले प्रोजेक्ट को झारखंड रेरा में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि अब केंद्र सरकार भी रेरा की निगरानी करेगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि यदि झारखंड रेरा में बिना रजिस्ट्रेशन कोई प्रोजेक्ट शुरू होता है तो शि-कायत करें। संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रोजेक्ट पर रोक लगाई जाएगी। कार्यशाला में रेरा के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान में कानूनी सलाहकार रंजीत कुमार चौधरी ने कहा कि झारखंड रेरा में बिल्डर, जमीन मालिक, क्रेता, बैंकर्स इत्यादि के हित को ध्यान में रखकर नियम बनाए गए हैं। रेरा में रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट्स को समय पर क्रेता को यूनिट हैंड ओवर करने की बाध्यता है। इसमें बिल्डर व जमीन मालिक, दोनों के लिए नियम लागू है। शिकायत दर्ज होने पर जिसकी गलती होती है उसके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाती है। बिल्डर द्वारा विवरणिका (ब्रोशर) में दर्शाई गई सभी सुविधा एग्रीमेंट में लिखनी है और क्रेता को देनी है। कार्यशाला में त्रैमासिक विवरण अपलोड करने, बिल्डिंग बाय लॉज का पालन करने, यू.डी.आई.एन. नंबर सही भरने, स्क्रो अकाउंट, फाइल ट्रैकिंग सिस्टम, रेरा में रजिस्ट्रेशन करने की प्रक्रिया, एक ही बिल्डर के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के लिए अलग-अलग बुक्स ऑफ अकाउंट्स रखने सहित अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में नगर निकाय, बिल्डर, आर्किटेक्ट, जमीन मालिक, क्रेता सहित अन्य हित धारकों के विचार सुन गए एवं उसका निराकरण किया गया। कार्यशाला में विशेष कार्य पदाधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक पदाधिकारी सुरजीत मुखर्जी, कंसलटेंट ट्रेनर सुमित मित्तल, सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार, क्रेडाई के अध्यक्ष अमरेश सिंह, गिरिडीह एवं देवघर के टाउन प्लानर, मनोज मोदी, अनिल मुकीम, प्रमोद अग्रवाल, अनीश डोकानिया, अमित सुल्तानिया, सुमन सिंह, हितेश ठक्कर के अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक व अन्य बैंक के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जाहेर स्थान पूजा शुरू करने का निर्णय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : संथाल समाज की बैठक लोहापट्टी जमडीहा एंव मोदीडीह स्थित टोला संथाडीह अंधारी मे हुई। अध्यक्षता सरकार मुर्मु एवं संचालन राजू हेम्ब्रम ने किया । बैठक का विषय वर्षो से बन्द जाहेर स्थान के ग्राम देवता पूजा पुनः प्रराम्भ करना था।। पूजा प्रारम्भ करने के लिए पुजारी चटिया का चयन करने के लिए आम सभा करके का निर्णय लिया गया। तय हुआ कि पुजारी का चयन होने के उपरान्त उनके नाम पर ग्राम के अन्तर्गत रैयती जमीन दान मे आवन्टित किया जाएगा। जमीन नही मिलने पर प्रत्येक घर से एक सौ रूपया सलाना देय होगा। ज्ञात हो कि संथालड़ीह जाहेर स्थान के पुजारी चटिया रतिलाल माँझी की मृत्यु हो जाने के कारण पूजा बन्द हो है। बैठक मे धनबाद एवं बोकारो जिला के पमुख्य लोग शामिल हुए। मौके पर सोनोत संथाल समाज के केन्द्रीय

अध्यक्ष सनातन सोरेन, केन्द्रीय कोषाध्यक्ष रतिलाल टुडु, माँझी हड़ाम हेमन्त मराण्डी, साधु सोरेन, बिरजु सोरेन, आकाश मराण्डी, वकिल किस्कु, रतिलाल मराण्डी, कालीपद हेम्ब्रम, शंकर प्रसाद मुर्मु, बालेश्वर बेसरा, राजेश मराण्डी, कृष्णा मराण्डी, सुरज मराण्डी, जयचन्द मराण्डी, सुमित मुर्मु, कमला मराण्डी, मीना मराण्डी, शान्ति मराण्डी, सुनिता मराण्डी, ललिता मराण्डी, लोहापट्टी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधी रामेश्वर महतो उर्फ बॉबी महतो सहित दर्जनों महिला पुरूष मौजूद थे.

नेहरू बालिका विद्यालय भूली नगर के विकास की तैयार हुई रूपरेखा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : नेहरू बालिका विद्यालय भूली नगर विकास एवं सुधार के लिए बैठक हुई। बैठक नागरिक संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय, शिवपुरी भूली नगर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. बालेश्वर प्रसाद कुशवाहा ने की। बैठक में विद्यालय के पूर्ण उत्थान, समुचित रखरखाव, एक सशक्त सार्वजनिक कमिटी के गठन, शिक्षा के स्तर में सुधार, विद्यालय भवन की स्थिति, जनसहभागिता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं योग्य शिक्षकों की उपलब्धता, छात्राओं की संख्या में वृद्धि, उनके पठन-पाठन की गुणवत्ता तथा शौचालय सहित बुनियादी सुविधाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बीएमएस के व उमेश्वर झा थे। उनके साथ सेवानिवृत्त शिक्षक पीबी. सिंह, तकनीक शिक्षक रूपेश वर्मा, अजय पासवान, जगदीश राय, अमरजीत पासवान, रामाशीष प्रसाद, प्रियव्रत सिंह एवं आनंद कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त किया। सभी ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक का संचालन बी कुशवाहा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन पूर्व पार्षद रंजीत कुमार बिल्लू ने किया।बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि विद्यालय के विकास हेतु सार्वजनिक समिति का गठन किया जाएगा तथा स्थानीय नागरिकों के सहयोग से शिक्षा की गुणवत्ता और आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए शीघ्र ही ठोस कदम उठाए जाएंगे।

झरिया केशरवानी भवन में जन जागरुकता समिति की बैठक में नागरिक से जुड़ी समस्याओं पर हुई चर्चा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झरिया केशरवानी भवन में जन जागरुकता समिति की बैठक रविवार को नागरिक से जुड़ी समस्याओं को लेकर हुई। अध्यक्षता विजय आनंद केशरी ने किया। मंच का संचालन रवि कुमार केशरी ने की। धन्यवाद ज्ञापन महेश शर्मा ने किया। बैठक में वार्ड 44 और वार्ड 43 के पार्षद प्रतिनिधिभी शामिल हुए। बैठक में अनिल कुमार जैन ने बताया कि आगामी अप्रैल में अंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर पदयात्रा और विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें झरिया के सभी लोगों से निवेदन किया गया कि सभी लोग बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले। सभी ने सर्व सहमति से इसका समर्थन किया।महेश शर्मा ने कहा झरिया के लोगों का एक साथ बिना सूचना के बिजली बिल काटना हमारे संवैधानिक हक का हनन है। हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं और इस तरह का असंवैधानिक काम आगे ना हो। इसकी मांग करते हैं शिव चरण शर्मा ने कहा डीएमएफटी फंड पर झरिया का पहला हक है। इसका दुरुपयोग अन्य जगह पर किया जा रहा है।मनीष सिंह ने कहा झरिया समस्या का गढ़ है। गंदगी सबसे बड़ी समस्या है। दिलीप केशरी ने कहा कि हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा। हमलोगों को अपना सामाजिक दायित्व निभाने में आगे आना चाहिए। रोहित केशरी ने कहा अगर सचमुच बदलाव चाहिए तो बलिदान देना होगा। सबको कुछ त्याग करना चाहिए। सुरेन्द्र केशरी ने कहा जनता को जागरूक होने की साथ लेना है।मौके अन्य वक्ताओं ने भी अपनी बातों को रखा।बैठक में महेश गुप्ता, राजेंद्र केशरी, दिनेश पांडे, मनीष सिंह, रोहित केशरी, विनोद केशरी, बृजमोहन शर्मा, सुधांशु केशरी, अजय केशरी, बद्री केशरी, रवि केशरी, मनोज कुमार साव, गुड्डू साव, सुनील गुप्ता, कुंदन मोदक, विकाश केशरी, दुर्गा केशरी, शिव चरण शर्मा, सुरेंद्र केशरी, पप्पू सिंह, नरेश केशरी, भगवान दास केशरी, मनीष यादव, उमेश सिंह, शैलेन्द्र केशरी, बाबू गद्दी, मोहम्मद कुतुबुद्दीन शाह आदि मौजूद थे।

विद्यापति परिषद सिंदरी में महा रक्तदान शिविर का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : लायंस क्लब इंटरनेशनल की सिंदरी शाखा और सिंदरी सिटीजन महिला शाखा के संयुक्त प्रयास से रविवार को विद्यापति परिषद सिंदरी में महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में वार्ड 54 के पार्षद नीरज सिंह सहित लगभग 32 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर पार्षद नीरज सिंह उर्फ धीरज ने कहा कि रक्तदान करना शरीर की स्फूर्ति को बढ़ाने का एक जरिया है। रक्तदान करने से आप रक्तचाप, हृदयाघात जैसी गंभीर बिमारियों से कुछ हद तक बच सकते हैं। लायंस क्लब सिंदरी एडमिनिस्ट्रेटर लायन प्रशांत पाण्डेय ने कहा कि रोगों से बचाव के लिए रक्तदान अवश्य करें। रक्तदान के लिये जांच के दौरान कुल 7 महिलाओं में हिमोग्लोबीन कम पाया गया जिसके लिए क्लब के सदस्य डॉ . एसएस साह ने उचित चिकित्सकीय सलाह भी दिया। मौके पर पार्षद नीरज सिंह को लायंस

क्लब ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। वहीं रक्तवीरों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। रक्त संग्रह के लिए एसजेएएस की मे-डिकल टीम ने सहयोग किया। रक्तदान शिविर में एसजेएएस की मेडिकल टीम में डॉ. आलोक कुमार, सुदीप पाण्डेय, मंजीत कुमार, लीना जायसवाल, मुन्ना रजक आदि मौजूद रहे। लायंस क्लब सिंदरी से लायन हरविंदर सिंह, लायन प्रेम सिंह टग्गर, लायन दिलीप रिटोलिया, लायन मनोज तिवारी, लायन डॉ. शिव शंकर साह, लायन माशुक अहमद आदि सहित सिंदरी सिटीजन महिला शाखा की अध्यक्ष दामिनी द्विवेदी,विनीता कुमारी,सबिता सिंह,पुनम तिवारी,स्वीटी गुप्ता, सुषमा श्रीवास्तव इत्यादि ने रक्तदान किया।

खजूर इतवार पर चर्चो में विशेष प्रार्थना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। रविवार को ईसाई समुदाय ने खजूर इतवार (पाम संडे) का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया। इस अवसर पर धनबाद के हिल कॉलोनी स्थित संत एंथोनी चर्च में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए। सभी लोग अपने साथ खजूर के पत्ते लेकर पहुंचे और विशेष प्रार्थना में शामिल हुए। चर्च परिसर में प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जहां ईश्वर से शांति, प्रेम और सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस दौरान वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालुओं ने पूरे विश्वास के साथ ईसा मसीह को याद किया। संत एंथोनी चर्च के पादरी अमाथुश कुजूर ने बताया कि खजूर इतवार ईसा मसीह के यरूशलम (जेरूसलम) में प्रवेश की स्मृति में मनाया जाता है। उस दिन लोग उनका स्वागत खजूर की डालियों के साथ जय-जयकार करते हुए कर रहे थे। हालांकि, ईसा मसीह यह जानते थे कि आगे चलकर वही लोग उनके खिलाफ हो जाएंगे, फिर भी उन्होंने प्रेम और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने अपने जीवन से यह सिखाया कि प्रेम सबसे बड़ा धर्म है। अगर हम आपस में प्रेम और भाईचारे के साथ रहें, तो ईश्वर हमेशा हमारे साथ रहते हैं। इस अवसर पर चर्च में मौजूद श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और समाज में शांति व सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छ जल, सुरक्षित भविष्य: नोवामुंडी में जलसहियों की अहम बैठक, प्रशिक्षण और समस्याओं पर गहन चर्चा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : रविवार को नोवामुंडी प्रखंड में जलसहिया की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रखंड की सभी जलसहिया ने सक्रिय भागीदारी निभाई और पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने को लेकर व्यापक चर्चा की गई।

बैठक के दौरान मास्टर जलसहिया द्वारा ऑनलाइन फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल गुणवत्ता जांच का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जलसहियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना था, ताकि वे गांव-गांव में पानी की गुणवत्ता की सही पहचान कर सकें और लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में अपनी भूमिका और बेहतर ढंग से निभा सकें।इसके साथ ही पूरे प्रखंड में पेयजल से जुड़ी समस्याओं, जल संरचनाओं के रख-रखाव एवं मरम्मत, तथा कार्य के दौरान जलसहियों को आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सभी ने अपने-अपने अनुभव साझा किए और समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास पर जोर दिया।इस अवसर पर मास्टर जलसहिया कंचन माला और मेघातुबुरु क्लस्टर की जल सहिया सहित नोवामुंडी प्रखंड की सभी जलसहिया बहनों की उपस्थिति रही। बैठक ने न केवल जागरूकता बढ़ाई, बल्कि जल प्रबंधन को और प्रभावी बनाने की दिशा में एक मजबूत पहल भी साबित हुई।मास्टर जलसहिया महुदी क्लस्टर से कंचनमाला तथा मेघातुबुरु क्लस्टर से अमृता देवी की विशेष उपस्थिति रही। इसके अलावा रोएबारी केराई, आशीषसन जोजो, केतकी केतवार सबिता नायक, माधो बाबोंगा, कविता और सुमन कुमारी सहित बड़ी संख्या में जलसहिया बहनों ने बैठक में भाग लिया।

अहिल्यापुर थाना प्रभारी ने दिया मानवता का परिचय, जरूरतमंद को डोनेट किया ब्लड

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : अहिल्यापुर थाना के थाना प्रभारी गुलाम गौस हुस्सामी ने रविवार को एक जरुरतमंद युवक के लिए रक्त दान कर मानवता का परिचय दिया।थाना प्रभारी के इस कार्य के लिए क्षेत्र के लोगों ने उन्हें साधुवाद दिया है।बता दें गांडेय के भयहरण मंडा निवासी नंद किशोर वर्मा का 26 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार कुछ महीनों से किडनी रोग से ग्रसित है। शनिवार को उसे खून की आवश्यकता पड़ी विशाल का ब्लड ग्रुप ओ नेगेटिव है।गांडेय के युवाओं ने खून की आवश्यकता की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया। रविवार को सोशल मीडिया की खबर देखकर अहिल्यापुर थाना प्रभारी ने रक्त दान करने की इच्छा जताई जिसके बाद वे सदर अस्पताल गिरिडीह पहुंचकर विशाल कुमार को रक्त दान किया।थाना प्रभारी के इस कार्य की चहूंओर प्रशंसा हो रही है।

पाम संडे : खजूर की डालियों के साथ मसीही समुदाय ने निकाली शोभा यात्रा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : प्रभु यीशु मसीह के यरूशलेम में विजय प्रवेश की याद में मनाए जाने वाले पाम संडे यानी खजूर रविवार के मौके पर जिले के विभिन्न इलाके में मसीही समुदाय ने खजूर की डालियों के साथ शोभा यात्रा निकाली। इसके उपरांत विभिन्न गिरजाघरों में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।इस दौरान स्टीवेंसन मेमोरियल चर्च उर्फ सीएनआई पचंबा समेत अन्य चर्च में खजूर रविवार के अवसर पर मसीही समुदाय के महिलाओं बच्चों और बुजुर्गों ने खजूर के बालक पत्तों से क्रॉस का निशान बनाकर आराधना की और शोभा यात्रा निकाली।महेशमुंडा स्थित चर्च में भी खजूर की डालियों के साथ शोभा यात्रा निकाली गयी।वहीं यहां आयोजित मिस्सा बलिदान में फादर मसीहचरण ने बताया कि खजूर रविवार प्रेम, विनम्रता और आत्मबलिदान का प्रतीक है।कहा कि खजूर रविवार न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि यह आत्मचिंतन और ईश्वर के प्रति आस्था को और गहरा करने का अवसर भी है।यह हमें याद दिलाता है कि कैसे यीशु मसीह ने अपने अनुयायियों के लिए कठिन रास्ता चुना और अंततः मानवता के लिए बलिदान दिया।कहा कि जब यीशु मसीह यरूशलेम आए थे, तब लोगों ने उनके स्वागत में सड़क पर अपने वस्त्र बिछाए थे और खजूर की डालियाँ हाथ में लेकर होशाना कहते हुए उनका स्वागत किया था। यह दृश्य मसीह के सम्मान और राजा के रूप में उनके स्वागत को दर्शाता है. इसी कारण इस दिन को खजूर रविवार कहा जाता है और मसीही विश्वासी पाम संडे मनाते हैं।बताया कि पाम संडे ईस्टर से पहले अंतिम रविवार को मनाया जाता है और इससे पवित्र सप्ताह होली विक की शुरूआत मानी जाती है।

आधुनिक युग में बच्चों को मिल रही है गुरुकुल में वेदों की शिक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : गिरिडीह के देवरी प्रखंड में स्थित प्राचीन देवपहाड़ी मठ में वैदिक गुरुकुल परंपरा फिर से शुरू हो गई है। यहां पिछले साल जगद्गुरु आदि शंकराचार्य बाबा जागनाथ वैदिक गुरुकुलम की शुरूआत की गई थी। फिलहाल 93 बच्चे यहां रहकर चारों वेदों की पढ़ाई मुफ्त में कर रहे हैं। वहीं 50 नए बच्चों के दाखिले की प्रक्रिया भी चल रही है।मठ के महंत और आचार्यों ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले इस गुरुकुल की शुरूआत की गई थी। इसका मकसद बच्चों को वेदों की शिक्षा, अच्छे संस्कार देना और सनातन धर्म के प्रति जागरूक करना है। आज कई बच्चे इस गुरुकुल से जुड़कर यहां पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहां वेदों की पढ़ाई के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा भी दी जाती है, ताकि बच्चों का संतुलन बना रहे। साथ ही उन्होंने सरकार और समाज के लोगों से अपील की कि वे यहां आकर शिक्षा व्यवस्था को देखें और गुरुकुल के विकास में सहयोग करें।गुरुकुल में दाखिले के लिए बिहार और झारखंड से आए अभिभावकों ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि यहां बच्चों को वेदों की शिक्षा दी जाती है। इसी वजह से वे अपने बच्चों का नामांकन कराने आए हैं। अभिभावकों का कहना है कि यहां की पढ़ाई वैसी ही है जैसा उन्होंने सुना था। यहां के महंत और आचार्य का व्यवहार बहुत अच्छा है और वे बच्चों को मन लगाकर पढ़ाते हैं।झारखंड और बिहार के अलग-अलग जिलों से आए ये छात्र मठ परिसर में रहकर गुरु-शिष्य परंपरा के अनुसार वेद, संस्कार और अनुशासन की शिक्षा ले रहे हैं। इससे इलाके में पारंपरिक शिक्षा को एक नई पहचान मिल रही है।

जमनलाल शर्मा अवॉर्ड से सम्मानित मनोज कोनबेगी का भव्य स्वागत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सिमडेगा : हॉकी की नर्सरी सिमडेगा में रविवार को प्रतिष्ठित जमनलाल अवार्ड से सम्मानित हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष सह हॉकी झारखंड के उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी का भव्य स्वागत हुआ। इस अवसर पर हॉकी सिमडेगा के पदधारियों और काफी संख्या में हॉकी खिलाड़ियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर और माला पहनकर उनका स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में वक्ताओं ने इसे सिमडेगा जिले और झारखंड के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि मनोज कोनबेगी ने ग्रास रूट से हॉकी के लिए कार्य किया। जिससे राष्ट्रीय स्तर पर सिमडेगा और झारखण्ड का नाम ऊंचा हुआ है।हॉकी सिमडेगा के उपाध्यक्ष कमलेश मांझी ने कहा कि टीम लीडर की प्रेरणा से हॉकी सिमडेगा अच्छा कार्य कर रहा है और राष्ट्रीय फलक पर इसका नाम है।वही हॉकी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हॉकी खिलाड़ियों ने भी इसे खुशी जाहिर करते हुए इसे सिमडेगा के लिए गर्व का विषय बबताय। मनोज कोनबेगी ने कहा कि यह पुरस्कार सिर्फ उनका नहीं बल्कि सबों का है।

आदित्य साहू ने कहा: हेमंत सोरेन मुगल बादशाह, बनवा रहे हैं 100 करोड़ का शीश महल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने 100 करोड़ की लागत से बनने वाले मुख्यमंत्री आवास पर गंभीर सवाल खड़ा किया है। रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 67 करोड़ 4 लाख 36 हजार रुपए की लागत से बनने वाले मुख्यमंत्री आवास का टेंडर 2 अप्रैल को अपलोड किया जाएगा जबकि 30 अप्रैल को टेंडर खुलेगा। उन्होंने कहा कि भवन का निर्माण कार्य पूरा होते-होते और इंटीरियर और कुर्सी समेत अन्य खर्च को जोड़कर मुख्यमंत्री का भवन लगभग 100 करोड रुपए का हो जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के भवन को शीश महल का नाम देते

हुए कहा कि इसमें दो करोड रुपए का फाउंटेन लगाया जाएगा जबकि ढाई करोड रुपए गार्डन पर खर्च किए जाएंगे। मुख्य बैठक भवन विदेशी शीशे का बना होगा। शीश महल में लगने वाले टाइल्स और अन्य सामग्रीया भी विदेश से मंगाई जाएगी। आदित्य साहू ने कहा कि एक तरफ राज्य में विधवाओं और बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिल रहा है। किसान अपने धन के खरीद मूल्य को पाने के लिए इंतजार कर रहे हैं। बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है और गरीब लोगों को अबुआ आवास नहीं मिल रहा वही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने लिए सौ करोड रुपए का शीश महल बनवा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने को गरीब जनता और गरीब राज्य का मसीहा बताते हैं वही अपने आवास में आते हैं वह खुद को मुगल बादशाह समझने लगते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने पूर्ववर्ती दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने भी दिल्ली में शीश महल बनवाया था।अब झारखंड के मुख्यमंत्री रांची में शीश महल बनवा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि टेंडर खोलने के दिन भारतीय जनता पार्टी राज्य भर में विरोध प्रदर्शन करेगी इसके साथ ही जब तक मुख्यमंत्री का शीश महल बनेगा तब तक पार्टी का विरोध जारी रहेगा।

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए 08 अप्रैल तक करे आवेदन अन्यथा विद्यालय होगा बंद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निदेश के आलोक राज्य के सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय, जहाँ कक्षा 1 से कक्षा 8 तक शिक्षण कार्य संचालित है, उन्हें झारखंड निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली, 2011 (संशोधित 2019 एवं 2025) के प्रावधानों के अनुरूप अनिवार्य रूप से मान्यता प्राप्त करना है।उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निदेर्शानुसार जिला के सभी संबंधित विद्यालय प्राचार्य/प्रबंधन समिति/संचालकों को निर्देशित किया जाता है कि वे विभागीय पोर्टल पर जाकर अपने विद्यालय का पंजीकरण कर ऑनलाइन आवेदन पत्र आठ अप्रैल तक अनिवार्य रूप से जमा करना सुनिश्चित करें।

विद्यालयों की सुविधा हेतु यूजर मैनुअल एवं मान्यता प्रमाण-पत्र का प्रारूप भी उक्त पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है।यह आदेश सभी गैर मान्यता प्राप्त निजी/गैर सरकारी विद्यालयों पर लागू होगा, जहाँ कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाई हो रही है।

सभी विद्यालय प्रबंधन को समय-सीमा के भीतर आवेदन पूर्ण रूप से भरकर जमा करना सुनिश्चित करना होगा।उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी विद्यालय संचालकों एवं प्राचार्यों से अपील की है कि वे इस निर्देश को गंभीरता से लें और समय-सीमा के भीतर आवेदन कर अपने विद्यालयों का संचालन विधिसम्मत बनाएं, ताकि विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित सुरक्षित रह सकें।

सिमडेगा में पीएलएफआई के 3 अपराधी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सिमडेगा : सिमडेगा पुलिस ने सड़क निर्माण कार्य में लगे वाहन को जलाने की कोशिश करने वाले पीएलएफआई के 3 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि इनका पीएलएफआई संगठन से संबंध रहा है। इससे पहले 20 मार्च को इस घटना के 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। सर्किल इंस्पेक्टर भिखारी राम ने बताया कि सिमडेगा जिले में लचरागढ़ से ओड़गा रोड तक सड़क निर्माण किया जा रहा है। इसका अस्थायी कैंप जलडेगा थाना क्षेत्र के कारीमाटी, पांगुर में है, जहां सड़क निर्माण कार्य में लगे वाहन रखे जाते हैं। इस वर्ष में 25-26 जनवरी की मध्यरात्रि अपराधियों ने लेवी वसूलने के इरादे से कैंप में खड़े वाहन में आग लगाने की कोशिश की थी। इन्हीं मे से तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

कोसुम्भा की निर्भया को अब तक नहीं मिला न्याय, अन्नपूर्णा देवी ने सरकार को घेरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के कोसुम्भा में 12 वर्षीय मासूम के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के छह दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। रविवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के नेतृत्व में भाजपा के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार का मौन उसकी संवेदनहीनता को दर्शाता है। 24 मार्च की रात मासूम के साथ हुई बर्बरता ने देश को हिला देने वाले निर्भया कांड की यादें ताजा कर दी हैं। घटना के छह दिन बाद भी हत्यारे पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू द्वारा दिया गया रविवार तक का अल्टीमेटम पूरा हो गया है। पार्टी ने घोषणा की थी कि यदि गिरफ्तारी नहीं हुई तो सोमवार से हजारीबाग बंद का आह्वान किया जाएगा। पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचीं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि झारखंड में नारियों पर अत्याचार और हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। राज्य सरकार केवल कागजों पर नारी सम्मान की बात करती है। पुलिस प्रशासन कोयला, बालू और पत्थर की लूट को संरक्षण देने में व्यस्त है। ट्रकों की गिनती के लिए अफसरों के पास समय है, लेकिन एक गरीब नाबालिग की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए कोई नहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन की चुप्पी पर भी कटाक्ष किया कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद सरकार की ओर से एक ट्वीट तक नहीं किया गया है।

उपायुक्त ने रामगढ़ में प्रधानमंत्री वन धन विकास केंद्र एवं चारा निर्माण इकाई का किया उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : रविवार को रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत बाजार परिसर में स्थित प्रधानमंत्री वन धन विकास केंद्र एवं चारा निर्माण इकाई का शुभारंभ जिले की उपायुक्त समीरा एस द्वारा किया गया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा,प्रशिक्षु भा.प्र.से. अधिकारी हिमांशु लाल,प्रशिक्षुआई.एफ.एस.अधिकारी,डीपीएम जेएसएलपीएस अनीता केरकेट्टा तथा रामगढ़ के मुखिया उमा शंकर प्रसाद उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।उद्घाटन अवसर पर उपायुक्त समीरा एस ने अपने संबोधन में कहा कि रामगढ़ जैसे आदिम जनजाति बहुल क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ किया जाना एक सकारात्मक पहल है।इससे स्थानीय महिलाओं,विशेषकर स्वयं सहायता समूह की दीदियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि वन धन विकास केंद्र के माध्यम से दोना-पत्तल का निर्माण, प्रसंस्करण एवं विपणन किया जाएगा।वहीं चारा निर्माण इकाई के माध्यम से स्थानीय स्तर पर पशु चारा उपलब्ध होगा, जिससे पशुपालकों को लाभ मिलेगा तथा महिलाओं की आय में वृद्धि

होगी।उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने कहा कि इन इकाइयों के माध्यम से स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा तथा स्वयं सहायता समूह की दीदियों को उद्यमी के रूप में विकसित किया जाएगा।उन्होंने दीदियों से आह्वान किया कि उन्हें उपलब्ध कराई गई राशि का उपयोग आय सृजन गतिविधियों में करें।अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा ने दीदियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं विस्तार पर बल दिया।प्रशिक्षु भा.प्र.से. अधिकारी हिमांशु लाल ने कहा कि चारा निर्माण इकाई के नियमित संचालन एवं उत्पादन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा साथ ही उत्पादित चारा की ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग कर उसे व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा जिससे महिलाओं की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित हो सके।इस अवसर पर रामगढ़ के मुखिया उमा शंकर प्रसाद ने जेएसएलपीएस की योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इन पहलों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं सशक्त हो रही हैं। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के दौरान उत्पादित चारा का औपचारिक लोकार्पण भी किया गया,जिसका विपणन जेएसएलपीएस के ह्यपलाशह्न ब्रांड के अंतर्गत किया जाएगा।इस अवसर पर जिला प्रबंधक नवल किशोर राजू,शेखर लाल,सौरभ कुमार, बीपीएम सुमित कुमार,आदित्य रंजन,सैनूल अंसारी,उमेश कुमार, कृष्णा कुमार,स्वयं सहायता समूह की दीदियां,कैडर एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

पर्व-त्योहार शांति, सौहार्द और सामाजिक समरसता के साथ सम्पन्न होने पर डीसी ने जताया सभी का आभार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : जिला में रामनवमी, चैती छठ पूजा, ईद, सरहुल एवं रमजान जैसे पर्व-त्योहार जिस गरिमा, अनुशासन, पारस्परिक सम्मान एवं अद्वितीय भाईचारे के साथ सम्पन्न हुए, वह न केवल जिले बल्कि पूरे राज्य के लिए एक प्रेरणास्पद उदाहरण बनकर उभरा है। इन अवसरों पर सम्पूर्ण राँचीवासियों ने गंगा-जमुनी तहजीब की जीवंत परंपरा को सशक्त करते हुए सामाजिक एकता, धार्मिक सहिष्णुता एवं सौहार्द का अनुपम परिचय दिया।उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने इस ऐतिहासिक एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए समस्त राँचीवासियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल पर्वों का आयोजन नहीं, बल्कि हमारी साझा संस्कृति, परस्पर विश्वास और सामाजिक एकजुटता का सशक्त उत्सव है, जिसने रांची को एक आदर्श सामाजिक समरसता के रूप में स्थापित किया है।उपायुक्त मंजूनाथ

भजन्त्री ने केन्द्रीय शांति समिति, महावीर मण्डल, तपोवन मंदिर पूजा समिति, रामनवमी श्रृंगार समिति, चैती दुर्गा पूजा समिति, केन्द्रीय सरना समिति, सभी सरना समिति, सेंट्रल मोहर्रम कमिटी, अंजुमन इस्लामिया, गुरुनानक समिति सहित सभी पर्व आयोजन समितियों एवं अखाड़ा समिति के सदस्यों के समर्पण, अनुशासन एवं उत्कृष्ट समन्वय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इन सभी संगठनों ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन अत्यंत संवेदनशीलता, परिपक्वता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ करते हुए शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।साथ ही उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने जनप्रतिनिधियों, पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों, बिजली विभाग सहित विभिन्न विभागों के कर्मियों (लाइन डिपार्टमेंट), नगर निगम तथा मीडिया प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी, सतत निगरानी एवं कर्तव्यनिष्ठा को इस सफलता का आधार स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वय, सतर्कता एवं समर्पण का परिणाम है कि पूरे जिले में विधि-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रही और आम नागरिकों ने निर्भय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में अपने-अपने पर्व मनाए।उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने विश्वास व्यक्त किया कि रांचीवासी भविष्य में भी इसी प्रकार आपसी विश्वास, भाईचारे, सहिष्णुता एवं समरसता की भावना को अक्षुण्ण रखते हुए हर पर्व-त्योहार को शांति, गरिमा और उल्लास के साथ मनाते रहेंगे तथा रांची की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को और अधिक सशक्त करेंगे।जिला प्रशासन समस्त नागरिकों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक तंत्र एवं मीडिया के अमूल्य सहयोग के लिए आभार प्रकट करता है।

कोसुम्भा की निर्भया को अब तक नहीं मिला न्याय, अन्नपूर्णा देवी ने सरकार को घेरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के कोसुम्भा में 12 वर्षीय मासूम के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के छह दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। रविवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के नेतृत्व में भाजपा के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार का मौन उसकी संवेदनहीनता को दर्शाता है। 24 मार्च की रात मासूम के साथ हुई बर्बरता ने देश को हिला देने वाले निर्भया कांड की यादें ताजा कर दी हैं। घटना के छह दिन बाद भी हत्यारे पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू द्वारा दिया गया रविवार तक का अल्टीमेटम पूरा हो गया है। पार्टी ने घोषणा की थी कि यदि गिरफ्तारी नहीं हुई तो सोमवार से हजारीबाग बंद का आह्वान किया जाएगा। पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचीं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि झारखंड में नारियों पर अत्याचार और हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। राज्य सरकार केवल कागजों पर नारी सम्मान की बात करती है। पुलिस प्रशासन कोयला, बालू और पत्थर की लूट को संरक्षण देने में व्यस्त है। ट्रकों की गिनती के लिए अफसरों के पास समय है, लेकिन एक गरीब नाबालिग की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए कोई नहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन की चुप्पी पर भी कटाक्ष किया कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद सरकार की ओर से एक ट्वीट तक नहीं किया गया है।

मसीही विश्वासियों ने भक्ति भाव से मनाया खजूर पर्व, निकाली धर्मयात्रा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : रविवार को पलामू जिले के मसीही विश्वासियों ने श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ खजूर पर्व मनाया। इस अवसर पर जिले के शहरी व ग्रामीण इलाकों में स्थित गिरजाघरों से खजूर धर्मयात्रा निकाली गयी।इसके बाद चर्च में विशेष प्रार्थना सभा व पूजा अनुष्ठान किया गया। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में रविवार की सुबह में शांति की महारानी गिरजाघर से मसीही विश्वासियों ने खजूर धर्मयात्रा निकाली। इसका नेतृत्व फादर संजय गिद्ध ने किया। उन्होंने खजूर की डालियों को आशीष दिया।धर्म यात्रा में शामिल कैथोलिक विश्वासी अपने हाथों में खजूर की डाली लेकर चल रहे थे।साथ ही सभी लोग होसन्ना के गीत गाते हुए और प्रभु यीशु का जयघोष कर रहे थे। खजूर पर्व को लेकर शांति की महारानी गिरजाघर से निकली धर्म यात्रा शहर के यूनियन चर्च, ग्रामीण बैंक रोड, डीडीसी आवास रोड होते हुए वापस हुई। धर्मयात्रा के दौरान मसीही विश्वासियों ने खीस्त हमारा राजा है, उसकी जय जयकार करो गीत गा रहे थे।इसके अलावा शांति का राजा आ रहा है, उसकी जय जयकार होवे का नारा लगा रहे थे।धर्म यात्रा के समापन

के बाद शांति की महारानी गिरजाघर में विशेष प्रार्थना सभा व पूजा अनुष्ठान शुरू हुआ।मुख्य अनुष्ठाता फादर संजय गिद्ध की देखरेख में मिस्सा पूजा अनुष्ठान किया गया। इस दौरान मसीही विश्वासियों ने यीशु की महिमा में गीत गाये और प्रार्थना किया। मुख्य अनुष्ठाता फादर संजय गिद्ध ने खजूर पर्व मनाने के औचित्य के बारे में विस्तार से बताया।उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु के येरुशलम में विजय प्रवेश के अवसर पर वहां के गरीब शिष्यों ने खजूर की डाली से उनका स्वागत किया था।उसी की याद में प्रत्येक वर्ष देश विदेश में यह पर्व मनाया जाता है।उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु ने प्रेम, शांति, विनम्रता, क्षमाशीलता, समानता, परोपकार, सेवा व सहयोग करने का संदेश दिया है। उनके इन संदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिये।बगैर भेदभाव के गरीब-असहाय लोगों की सहायता व सेवा करते हुए समाज में प्रेम, भाईचारा,आपसी सौहार्द को बढ़ायें।प्रभु यीशु ने विश्व के मानव जाति के कल्याण के लिए असह्य पीड़ा सहन किया।यीशु ने मानवता,विनम्रता, शांति, प्रेम और सत्य को अपनाने का संदेश दिया है।प्रार्थना के बाद खजूर पर्व का प्रसाद वितरण किया गया. मसीही विश्वासियों ने एक-दूसरे को खजूर पर्व की शुभकामना दी।

प्रार्थना सभा में फादर जॉर्ज तिग्गा, अमरदीप केरकेट्टा, क्रिस्टोफर, सुरेश तिर्की, डीकन समीर तिग्गा सहित काफी संख्या में मसीही विश्वासी शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

4 वर्षीया बच्ची की सिर में अपराधियों ने मारी गोली,पुलिस जांच में जुटी

सहरसा, (एजेंसी) : जिले के सौर बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत मथुरा गांव में रविवार को अज्ञात अपराधियों ने एक चार वर्षीय बच्ची को गोली मार दी।

आलोक कुमार ने बताया कि रविवार की सुबह 9 बजे सौर बाजार थाना अध्यक्ष को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के मथुरा गांव में एक चार वर्षीय बच्ची को गोली मारकर घायल कर दिया गया है।

घटना की सूचना के बाद एसपी हिमांशु के निर्देश पर उनके नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची थी। जहां फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। फिर डॉग स्क्वायड की टीम और डीआईयू की टीम के साथ एसआईटी टीम का गठन किया गया था। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। सभी बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है।

घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात अपराधियों को चिन्हित कर किए जाने का प्रयास किए जा रहे थे। बच्ची फिलहाल इलाजरत है। पीड़ित बच्ची के परिजन में अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं दी थी। हालांकि जल्द ही घटना का उद्भेदन कर लेने और सभी आरोपी की भी गिरफ्तारी कर लेने की बात पुलिस पदाधिकारी बता रहे थे।

दरभंगा नृत्य उत्सव में ओडिसी कार्यशाला का शुभारंभ

दरभंगा,(एजेंसी) : सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से सृष्टि फाउंडेशन द्वारा आयोजित दरभंगा नृत्य उत्सव के अंतर्गत ओडिसी नृत्य कार्यशाला का शुभारंभ रामबाग स्थित परिसर में किया गया। उद्घाटन समारोह में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, ओडिशा से आए प्रख्यात ओडिसी नृत्य गुरु सचिकांत प्रधान, कला प्रेमी दिलीप जाजोदिया तथा संस्थापक गुरु जयप्रकाश पाठक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सृष्टि फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन स्थानीय कला एवं संस्कृति को नई दिशा देने का कार्य करते हैं। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन कलाकारों को मंच प्रदान करने के साथ-साथ समाज में सांस्कृतिक चेतना को भी सशक्त बनाते हैं।

ओडिसी गुरु सचिकांत प्रधान ने बताया कि आगामी सप्ताह में विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में लगभग 10 से 12 दर्जन बच्चों द्वारा शास्त्रीय एवं लोक नृत्य की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने कलाकारों से निरंतर अभ्यास और समर्पण के साथ कला साधना करने का आह्वान किया।

वहीं, दिलीप जाजोदिया ने दरभंगा की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित करने की बात कही।

कार्यशाला के शुभारंभ से स्थानीय कलाकारों और विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है, जो क्षेत्र में कला और संस्कृति के विकास के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

मखाना उत्पादन से बदलेगी किसानों की तकदीर, वैज्ञानिकों का मखाना पर हुई चर्चा

बेतिया, (एजेंसी) : पश्चिम चंपारण का कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर द्वारा मखाना उत्पादन पर पकड़िया पंचायत में किसानों के बीच एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। 'मखाना उत्पादन की तकनीक और प्रसंस्करण' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ जल-जमाव वाले क्षेत्रों के बेहतर उपयोग के लिए जागरूक करना था।प्रशिक्षण के दौरान केवीके माधोपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉक्टर अभिषेक प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए जल-जमाव वाले क्षेत्रों में मखाना की खेती एक वरदान साबित हो रही है।इससे कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाली पैदावार प्राप्त की जा सकती है।क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र माधोपुर के प्रभारी अधिकारी डाक्टर नीरज कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि मखाना उत्पादन में बिहार देश का निर्विवाद रूप से अग्रणी राज्य है। देश के कुल उत्पादन का 85% से 90% हिस्सा अकेले बिहार से आता है। इसमें दरभंगा, मधुबनी, पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज मुख्य जिले हैं। जिनमें मधुबनी जिला अकेले लगभग 20% का योगदान देता है।डॉक्टर जगपाल ने 'मखाना-सह-मछली पालन' तकनीक पर विशेष जानकारी दी।उन्होंने कहा कि केवल मखाना पर निर्भर रहने के बजाय एक ही तालाब में मछली पालन का मॉडल अपनाना चाहिए। इससे एक ही जल स्त्रोत से दोहरी आय प्राप्त होती है। मछलियों का अपशिष्ट मखाना के पौधों के लिए प्राकृतिक खाद का काम करता है। जिससे उर्वरक की लागत में भारी कमी आती है। डाक्टर चेलपुरी रामुलु ने मखाना की कटाई और प्रसंस्करण में होने वाली शारीरिक मेहनत को कम करने के लिए आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने बताया कि उन्नत हार्वेस्टिंग इंप्लीमेंट्स से न केवल समय बचता है। बल्कि बीजों की गुणवत्ता भी बनी रहती है।

तारापुर के विकास के लिए उप मुख्य मंत्री सम्राट चौधरी ने दिया 39 करोड़ रुपया

मुंगेर, (एजेंसी) : बिहार के उप मुख्य मंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को मुंगेर जिला के तारापुर अनुमंडल वासियों को तारापुर के विकास के लिए बहुत बड़ी सौगात दी। उन्होंने तारापुर के विकास के लिए 38 कड़ोर 74 लाख 49 हजार एक सौ बहत्तर रुपए की राशि विभिन्न योजना मद में दी, ताकि तारापुर सूबे बिहार में विकास की एक नई इबारत लिख सकें। इस ऐतिहासिक मौके पर जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर, पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, अनुमंडल पदाधिकारी तारापुर राकेश रंजन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। उप मुख्य मंत्री ने कहा कि तारापुर कि जनता ने मुझे विधायक बनाकर विकास करने का जो मौका दिया है उस पर मैं हनेशा खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा। तारापुर के विकास को लेकर कई योजनाएं बनाई गई है, उसी में से आज 38 कड़ोर 74 लाख 49 हजार एक सौ बहत्तर रुपए की राशि से विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया गया है। इनमें ग्रामीण कार्य विभाग के तहत 23 कड़ोर 88 लाख 53 हजार तीन सौ चौवन रुपए, तारापुर शहरी विकास के लिए पांच कड़ोर चौवन लाख नौ हजार सात सौ नब्बे रुपए असरगंज शहरी विकास के लिए तीन कड़ोर अठहत्तर लाख सैन्तालिश हजार तीन सौ पचपन रुपए तथा तारापुर बस स्टैंड निर्माण के लिए पांच कड़ोर तिरपन लाख आरतिस हजार छः सौ तिहत्तर रुपए की राशि उपावंटित की गई है जिससे होने वाले विकास कार्यों का आज उद्घाटन व शिलान्यास किया गया है। इन कार्य योजना के पूर्ण होने से निश्चित रूप से तारापुर विकास की ओर अग्रसर होगा। इससे पूर्व उन्होंने तारापुर अनुमंडल अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया तथा कार्य की रुपरेखा से भी अवगत हुए। साथ हीं उन्होंने अस्पताल परिसर का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक निदेश दिए। इसके पश्चात उन्होंने खैरा ग्राम में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम में शिरकत कर वहां की जनता को सम्बोधित किया तथा वहां की जनता की समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु आश्वस्त किया।

उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन पूर्ण रूप से सक्रिय एवं प्रतिबद्ध

बेगूसराय, (एजेंसी) : बिहार के बेगूसराय जिले में एलपीजी सिलेंडर की सुचारू एवं पारदर्शी वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी, बेगूसराय श्रीकांत शास्त्री द्वारा लगातार समीक्षा की जा रही है। जिला प्रशासन उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने हेतु पूर्ण रूप से सक्रिय एवं प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर पूजा एचपी गैस एजेंसी के विरुद्ध ह्यआवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955ह्न की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही, दुकान बंद पाए जाने के कारण आयुष भारत गैस ग्रामीण वितरक एवं रामदिरी इंडेन ग्रामीण वितरक से स्पष्टीकरण की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की अनियमितताओं के लिए 09 अन्य गैस एजेंसियों को कड़ी चेतावनी जारी की गई है। जिला नियंत्रण कक्ष में अब तक कुल 405 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 300 मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया जा चुका है। प्राप्त शिकायतों को तत्परता से संबंधित गैस एजेंसियों एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को अग्रसारित कर प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित कराया जा रहा है। दिनांक 29 मार्च को कुल 14,918 बुकिंग के विरुद्ध 10,550 एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की गई है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 4,234 बुकिंग प्राप्त हो रही है, जबकि औसत वितरण 4,710 सिलेंडर प्रतिदिन किया जा रहा है, जो आपूर्ति व्यवस्था में सुधार को दशार्ता है। उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गैस एजेंसियों की कार्य अवधि को 08 घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे कर दिया गया है। इसके साथ ही डिलीवरी कर्मियों को सप्ताह के सभी सातों दिन कार्यरत रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि समयबद्ध वितरण सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन द्वारा सभी गैस वितरकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लंघन की स्थिति में कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

1 अप्रैल तक बिहार में कई जिलों में बारिश और तेज हवा चलने की संभावना

पटना, (एजेंसी) : बिहार में अगले तीन दिनों के लिए पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 1 अप्रैल तक राज्य के कई जिलों में गरज-चमक, बारिश और तेज हवा चलने की संभावना जताई है और राज्य के लोगों से बारिश के दौरान सतर्कता बरतने की अपील की है। दरअसल 31 मार्च से 1 अप्रैल के बीच पूरे बिहार में मौसम बदलने की संभावना है। इस दौरान पटना, दरभंगा, वैशाली, समस्तीपुर, भोजपुर, वेस्ट चंपारण, ईस्ट चंपारण, गोपालगंज, सिवान, औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा, अरवल, सारण, जमुई, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, बक्सर,

बढ़ा बिजली दर वापस लेने की मांग- बढ़े दर का सबसे ज्यादा प्रभाव छात्रों और गृहणियों पर- राजद

पटना, (एजेंसी) : राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने पीक आवर (शाम छः बजे से रात्रि दस बजे) में बढ़ाएं गये बिजली दर को वापस लेने और 24 घंटे एक ही दर से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि जब से राज्य सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है, तब से पूरे बिहार में बिजली की कटौती काफी बढ़ गई है। वह भी पीक आवर में हीं बिजली की कटौती ज्यादा होती है। जिसका सबसे ज्यादा असर बच्चों की पढ़ाई और गृहणियों की रसोई घर पड़ता है अब सरकार ने शाम छः बजे से रात दस बजे तक बिजली की कीमत महंगी करने का निर्णय लिया है। जबकि शाम छः से रात दस बजे तक ही बिजली की ज्यादा आवश्यकता रहती है और खपत भी ज्यादा होती है। सरकार के इस निर्णय से सबसे ज्यादा छात्र और गृहणी प्रभावित होंगे। यह समय छात्रों के पढ़ने और गृहणियों के खाना बनाने का रहता है। स्मार्ट मीटर लगाने के बाद बिजली शुल्क की अनियमित और मनमाने कटौती के कारण पहले से हीं उपभोक्ताओं की परेशानी काफी बढ़ गई है। और अब बढ़े हुए शुल्क के कारण उपभोक्ताओं के उपर और भी ज्यादा आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा। श्री गगन ने कहा कि मार्च महीने में ही गर्मी पड़ने लगी है। पूरे बिहार में बिजली की कटौती भी शुरू हो गई । साथ ही सरकार ने नया फरमान भी जारी कर दिया है। शाम में बिजली की कीमत बढ़ाई जाती है , तो मुफ्त बिजली देने के फैसले का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। यह बिहार की जनता के साथ नाइंसाफी और वादाखिलाफी होगा।उन्होंने राज्य सरकार से बिजली कटौती बंद करने, सभी उपभोक्ताओं को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने, स्मार्ट मीटर वापस लेने और 24 घण्टे एक ही दर पर बिजली उपलब्ध कराने की मांग की है।

नवाचार व युवा शक्ति से बनेगा विकसित भारत: विस अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार

युवाओं को नवाचार अपनाने और नए विचार विकसित करने का आह्वान

स्टार्टअप संस्कृति और तकनीक से बदल रहा भारत का भविष्य

टीम इंडिया की एकजुटता को बताया देश की सबसे बड़ी ताकत

गया जी (एजेंसी) : गया जी टाउन विधायक सह बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इनोवेट 2026 हैकथॉन में भाग लेकर युवाओं को नवाचार और तकनीक के माध्यम से देश निर्माण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है, जिसका आधार नवाचार, तकनीक और युवा शक्ति है।उन्होंने कहा कि टीम इंडिया 130 करोड़ भारतीयों की सामूहिक ताकत का प्रतीक है, जिसमें किसान, वैज्ञानिक, शिक्षक, उद्यमी और युवा सभी शामिल हैं। वर्ष 2026 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तभी संभव है, जब नवाचार को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नए विचारों को अपनाएं और समस्याओं के समाधान के लिए रचनात्मक सोच विकसित करें।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि देश में स्टार्टअप संस्कृति तेजी से विकसित हो रही है और छोटे-छोटे विचार बड़े बदलाव ला रहे हैं। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलें भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है और युवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ग्रीन एनर्जी और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि नवाचार केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोच में बदलाव का प्रतीक है। जब किसान नई तकनीक अपनाता है, छात्र नए तरीके से सीखता है और शिक्षक नवाचारपूर्ण तरीके से पढ़ाता है, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होता है।अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा, ह्लनवाचार ही विकास का मार्ग है और टीम इंडिया ही उसकी पहचान है। उन्होंने प्रतिभागियों से आत्मनिर्भर, नवाचारी और विश्व में अग्रणी भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

श्री विष्णु विराट रूप का दर्शन सह नवाह संकीर्तन का समापन,शहर में शोभायात्रा निकालकर प्रतिमा विसर्जित

अररिया, (एजेंसी) : फारबिसगंज के केशरी टोला में पिछले ग्यारह दिनों से चल रहे श्री विष्णु विराट रूप का दर्शन सह नवाह संकीर्तन का समापन रविवार को हवन आहुति के साथ हुआ।

स्थानीय केशरी टोला में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बीते 11 दिनों से अनवरत जारी श्रीविष्णु विराट रूप का दर्शन, नवाह संकीर्त्तन व हवन का भव्य समापन रविवार को बड़े ही हर्षोल्लास व धार्मिक श्रद्धा के साथ संपन्न हो गया।अंतिम दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु यज्ञस्थल पहुंचकर पूजा पाठ के साथ हवन में भाग लिया।

विसर्जन को लेकर भगवान विष्णु की तीस फीट ऊंची विराट प्रतिमा के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का नगर भ्रमण शोभायात्रा के साथ की गई। बैंड बाजे और ढाक के थाप पर शोभायात्रा में शामिल भक्त झूमते नाचते नगर भ्रमण किया।विभिन्न स्थानों पर प्रतिमा के गुजरने पर श्रद्धालुओं ने छत से भगवान विष्णु और अन्य देवी देवताओं के प्रतिमा पर पुष्प वर्षा की।साथ ही घर के सामने से गुजरने पर सड़क के किनारे खड़ी महिलाओं ने आरती दिखाकर आराधना की।

विसर्जन शोभायात्रा केशरी टोला स्थित यज्ञस्थल से निकलकर दीनदयाल चौक,एस.के.रोड़,छुआपट्टी, राजेन्द्र चौक, सदर रोड़,पोस्ट ऑफिस चौक होते हुए सुल्तान पोखर पर पहुंची।जहां भक्ति भाव के साथ भगवान विष्णु के विराट प्रतिमा के साथ अन्य देवी देवताओं के प्रतिमा का जल में प्रवाह किया गया।विसर्जन शोभायात्रा में शामिल भक्त ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाया और जमकर आतिशबाजी की।वहीं शोभायात्रा में शामिल विभिन्न कीर्तन मंडली के राम धुन गायन के साथ आदिवासियों का समूह नृत्य ने सबों का मन मोह लिया।शोभायात्रा को लेकर फारबिसगंज थाना पुलिस की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए।भारी संख्या में पुलिस अधिकारी समेत पुलिस बलों को लगाया गया। वहीं नगर परिषद प्रशासन की ओर से साफ सफाई के विशेष इंतजाम किए गए।

भगवान राम सीता की आकर्षक झांकी के साथ निकली रामनवमी जुलूस

नवादा, (एजेंसी) : नवादा नगर में रविवार को भव्य रामनवमी जुलूस का आयोजन किया गया। नवादा नगर के 9 स्थानों से आकर्षक भगवान श्रीराम ,मां जानकी और भाई लक्ष्मण तथा भक्त हनुमान की झांकियां के साथ रामनवमी जुलूस निकाले गए। न्यू एरिया जुलूस का नेतृत्व शिक्षाविद डॉक्टर अनुज सिंह कर रहे थे।

रथों पर सवार भगवान श्रीराम की आकर्षक झांकी के साथ घोड़े ,हाथियों से लैस जुलूस में जय श्रीराम के जय घोष गूंज रहे थे ।जुलूस नवादा के न्यू एरिया दुर्गा मंडप, पुरानी बाजार, रामनगर दुर्गा मंडप ,मिजार्पुर दुर्गा मंडप ,कन्हाई नगर दुर्गा मंडप से बैंड बाजो के साथ जुलूस निकाले गए थे ।हजारों की संख्या में जुटे श्रद्धालुओं ने भगवान श्री राम के नाम की जय घोष कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया ।

भीड़ को नियंत्रित करने नवादा के जिलाधिकारी रवि प्रकाश ,एसपी अभिनव धीमान तथा सदर एसडीओ अमित अनुराग सुरक्षा बलों के साथ सक्रिय दिखे ।शिक्षाविद डॉ अनुज सिंह ने कहा कि सनातन धर्म के लिए यह जुलूस जरूरी है। जिससे समाज में धार्मिकता का विकास होगा ।9 जगहों पर सेवा शिविर का आयोजन किया गया था ।जिसमें राम भक्तों को शीतल जल, शरबत आदि पिलाये जा रहे थे ।सेवा शिविरों में प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद थे।जुलूस नवादा नगर के विभिन्न सड़कों से घूमते हुए अनुसार नगर पेट्रोल पंप के निकट हनुमान मंदिर से वापस लौटकर अपने-अपने गंतव्य को प्रस्थान कर गए। अंसार नगर मोहल्ले में कोई अनहोनी ना हो जाए इसके लिए जिला प्रशासन ने सख्त इंतजाम किए थे।

रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलेगा विशेष अभियान, अपराधियों पर कसेगा शिकंजा:अंनत

रेल एसपी अंनत कुमार राय ने कहा शराब तस्करी रोकने को बनेगी विशेष टीम

जीआरपी-आरपीएफ को संयुक्त कार्रवाई के निर्देश,सख्त निगरानी का भी दिए गए आदेश

गया जी(एजेंसी) : रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अब व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर आपराधिक गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश लगाने की तैयारी की गई है। रेल पुलिस अंनत कुमार राय ने साफ किया है कि यात्रियों की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेल एसपी अंनत कुमार राय ने बताया कि रेल यात्रियों की सुरक्षा और रेल अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जीआरपी और आरपीएफ को संयुक्त रूप से अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रेनों में चोरी, लूट और अन्य अपराधों के साथ शराब तस्करी पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए अलग से टीम गठित कर कार्रवाई तेज करने को कहा गया है।

अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, प्लेटफार्मों और ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। संदिग्ध व्यक्तियों और सामान की जांच के साथ-साथ गश्त भी बढ़ाई जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाए।रेल एसपी ने यह भी कहा कि शराब तस्करी के मामलों में हाल के दिनों में वृद्धि देखी गई है, जिसे रोकने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई है। यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की रक्षा के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

रेलवे में चोरी करने वाला वांछित अपराधी पवन कुमार गिरफ्तार

रेलवे यात्रियों के सामान चोरी करने वाले एक वांछित अपराधी को संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार कर लिया गया है। 29 मार्च 2025 को आरपीएफ, जीआरपी बख्तियारपुर और फतुहा की टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की।

गिरफ्तार अपराधी की पहचान पवन कुमार निवासी गंजपर वार्ड नंबर 2, थाना अथमलगोला जिला पटना के रूप में हुई है। उसे अथमलगोला रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया, जहां वह छिपकर रह रहा था। रेल एसपी के अनुसार आरोपी रेलवे में यात्रियों के सामान चोरी करने के कई मामलों में वांछित था।

उस पर गया जीआरपी थाना के कई कांड दर्ज हैं जिनमें जून और जुलाई 2025 के दौरान दर्ज मामले शामिल हैं। इसके अलावा बख्तियारपुर जीआरपी थाना में भी उसके खिलाफ मामला दर्ज है।पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। अंततः मुखबिर की सूचना और तकनीकी जांच के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया।

फिलहाल आरोपी को जीआरपी बख्तियारपुर के हवाले कर दिया गया है, जहां उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस गिरफ्तारी से रेलवे में हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

संपादकीय

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह ह्लआसमान से गिरे, खजूर में अटकेह्व वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आक्रामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चचाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यूक्रेन के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, ह्लऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्तिमान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति धोबी का कुत्ता, न घर का न घाट काह्व जैसी होती हुई दिख रही है।मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे।

अनुभव-प्राप्ति के लिए काफी मूल्य चुकाना पड़ सकता है पर उससे जो शिक्षा मिलती है वह और कहीं नहीं मिलती।

: अज्ञात

अधिकतर लोग नए साल की प्रतीक्षा केवल इसलिए करते हैं कि पुरानी आदतें नए सिरे से फिर शुरू की जा सकें।

: अज्ञात

भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों व डॉलर के मुकाबले दुनियाँ की मुद्राओं में ऐतिहासिक भारी गिरावट से भारी खलबली मची

मुद्रा बाजार और इक्विटी बाजार के बीच गहरा और जटिल संबंध है,जो निवेशकों के निर्णयों को सीधे प्रभावित करता है

दुनियाँ में आर्थिक,राजनीतिक और ऊर्जा से जुड़े कई संकट एक साथ आए- शेयर बाजार की गिरावट इसका व्यापक प्रतिबिंब -हर संकट के बाद शेयर बाजार ने वापसी की है, बस धैर्य, समझदारी और सही रणनीति की जरूरत है

वैश्विक स्तरपर 27 मार्च 2026 का दिन भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में एक और झटके के रूप में दर्ज हुआ, जब बीएसई सेंसेक्स लगभग 1700 अंकों की भारी गिरावट के साथ बंद हुआ और निफ़्टी 500 के साथ-साथ स्मॉल कैप इंडेक्स में भी 1.74 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बात केवल यही तक सीमित नहीं रही किसी दिन,जब भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.82 के स्तर तक गिरकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।यह गिरावट केवल एक मुद्रा की कमजोरी नहीं थी, बल्कि यह वैश्विक आर्थिक तनाव, भू-राजनीतिक अस्थिरता और निवेशकों की बदलती मानसिकता का प्रतिबिंब भी थी। सुबह 94.18 पर खुलने वाला रुपया दिन के अंत तक और कमजोर होता गया,जो इस बात का संकेत है कि बाजार में नकारात्मक भावनाएं लगातार हावी रहीं। इस पूरे घटनाक्रम को यदि शेयर बाजार के दृष्टिकोण से देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि मुद्रा बाजार और इक्विटी बाजार के बीच गहरा और जटिल संबंध है, जो निवेशकों के निर्णयों को सीधे प्रभावित करता है।यह केवल एक दिन की घटना नहीं,बल्कि पिछले कई सप्ताहों से जारी गिरावट की एक कड़ी है,जिसने निवेशकों के मन में गहरी चिंता पैदा कर दी है।इस गिरावट के पीछे केवल घरेलू कारण नहीं हैं,बल्कि वैश्विक स्तरपर उत्पन्न हो रहे संकट विशेषकर ऊर्जा संकट, भू- राजनीतिक तनाव और विदेशी निवेशकों की निकासी ने मिलकर एक ऐसा माहौल तैयार कर दिया है, जो किसी बड़े आर्थिक तूफान की आहट देता है। सवाल यह उठता है कि क्या यह स्थिति फिर से कोविड -19 जैसे वैश्विक संकट की ओर संकेत कर रही है, या यह केवल डर और अफवाहों का परिणाम है ?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र पूरे सप्ताह भर शेयर मार्केट पर नजर रखा और उसका विश्लेषण करते रहा और आज यह अंतिम विश्लेषण निकलाहूं कि भारतीय शेयर बाजार में हालिया गिरावट के कई प्रमुख कारण हैं। सबसे पहला और महत्वपूर्ण कारण है विदेशी संस्थागत निवेशकों का लगातार पैसा निकालना। जब बड़े विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पूंजी निकालते हैं,तो इससे बाजार में तरलता कम हो जाती है और कीमतों में तेज गिरावट आती है।इसके साथ ही घरेलू संस्थागत निवेशकों की सीमित क्षमता भी इस गिरावट को रोकने में असमर्थ दिखाई दे रही है। छोटे निवेशकों में डर का माहौल बनता जा रहा है, जिससे वे भी तेजी से अपने निवेश निकालने लगते हैं,और यह एक डोमिनो प्रभाव उत्पन्न करता है। मेरा है व्यक्तिगत मत है कि शेयर बाजार में जो भारी अनिश्चितता और उथल-पुथल मची हुई है वह सीधे-सीधे ईरान इजरायल अमेरिका महायुद्ध में ट्रंप द्वारा दिए गए बयानों के अनुसार अप डाउन हो रहा है जो मैंने पूरे सप्ताह में रेखांकित किया हूं इन सबकी चर्चा हम नीचे सटीकता से पैराग्राफ वॉइस करेंगे।

साथियों बात अगर हम रुपये की गिरावट के पीछे सबसे प्रमुख कारणों में से एक पश्चिमी एशिया में बढ़ता तनाव था, इसको समझने की करें तो इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का सीधा असर वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ता है, और भारत जैसे आयात- निर्भर देश के लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से भारत का आयात बिल बढ़ जाता है, जिससे चालू खाता घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव पड़ता है। जब निवेशक यह देखते हैं कि किसी देश की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है,तो वे उस देश के बाजार से दूरी बनाने लगते हैं। यही कारण है कि शेयर बाजार में बिकवाली तेज हो जाती है और सूचकांक गिरने लगते हैं।-विदेशी निवेशकों की बिकवाली का एक और महत्वपूर्ण कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती और डॉलर की मजबूती है। जब अमेरिकी डॉलर मजबूत होता है, तो वैश्विक निवेशक सुरक्षित निवेश के लिए अमेरिका की ओर रुख करते हैं। इससे उभरते बाजारों जैसे भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है।इस प्रक्रिया को फ्लाइट टू सेफ्टी कहा जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि भारतीय शेयर बाजार में निवेश कम हो जाता है और बाजार में गिरावट आती है।इसके अलावा, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि भी निवेशकों को आकर्षित करती है, जिससे वे जोखिम भरे बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों में निवेश करने लगते हैं।रुपये की गिरावट का प्रभाव विभिन्न सेक्टरों पर अलग-अलग तरीके से पड़ता है। उदाहरण के लिए, आईटी और फार्मा जैसे निर्यात-उन्मुख सेक्टरों को इससे लाभ होता है, क्योंकि उन्हें डॉलर में भुगतान मिलता है। जब रुपया कमजोर होता है, तो उनकी आय बढ़ जाती है। इसके विपरीत, ऑटोमोबाइल, एविएशन और तेल-आधारित उद्योगों को नुकसान होता है, क्योंकि उनके लिए आयात महंगा हो जाता है। शेयर बाजार में इन सेक्टरों के प्रदर्शन में स्पष्ट अंतर देखने को मिलता है, जो निवेशकों के लिए रणनीतिक निर्णय लेने का आधार बनता है। साथियों बात अगर हम वैश्विक शेयर बाजारों की स्थिति एक तुलनात्मक दृष्टि को समझने की करें तो भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई बड़े शेयर बाजार इस समय दबाव में हैं।डोव जोनस इंडस्ट्रियल एवरेज में लगातार गिरावट देखी जा रही है,नासडाक कम्पोजिट टेक कंपनियों के कमजोर प्रदर्शन से प्रभावित है,एफटीएसई 100 भी ऊर्जा संकट और महंगाई से जूझ रहा है,इन सभी बाजारों में एक समान पैटर्न दिखाई देता है,निवेशकों का विश्वास कम होना,जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और सुरक्षित सटीक निवेश विकल्पों की ओर झुकाव।

साथियों बात अगर हम,विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निकासी निकासी:भारतीय बाजार के लिए सबसे बड़ा खतरा इसको समझने की करें तो,विदेशी निवेशकों की निकासी भारतीय शेयर बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है।जब फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स बाजार से पैसा निकालते हैं, तो इससे रुपये पर दबाव पड़ता है,जिससे इंडियन रुपया कमजोर होता है।रुपये की कमजोरी से आयात महंगा होता है, जिससे महंगाई बढ़ती है और अंततः इसका असर आम जनता और कंपनियों दोनों पर सटीक रूप से पड़ता है।

साथियों बात अगर हम छोटे निवेशकों पर प्रभावः भय और भ्रम का माहौल को समझने की करें तो,शेयर बाजार की गिरावट का सबसे अधिक असर छोटे निवेशकों पर पड़ता है।वे अक्सर डर के कारण गलत समय पर अपने शेयर बेच देते हैं, जिससे उन्हें भारी नुकसान होता है। सोशल मीडिया और अफवाहों के कारण यह डर और भी बढ़ जाता है।इस समय सबसे बड़ी आवश्यकता है सही जानकारी और धैर्य की, क्योंकि बाजार का स्वभाव ही उतार-चढ़ाव वाला होता है।वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्यादुनियाँ एक नई आर्थिक मंदी की ओर बढ़ रही है।हालांकि अभी इसे पूर्ण रूप से मंदी कहना जल्दबाजी होगी,लेकिन कई संकेत ऐसे हैं जो चिंता बढ़ाते हैं:(1) बढ़ती महंगाई (2) घटती आर्थिक वृद्धि (3) ऊर्जा संकट (4) निवेश में कमी,ये सभी कारक मिलकर एक स्टैगफ्लेशन जैसी भयंकर स्थिति पैदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की स्थितिः चुनौतियां और अवसर को समझने की करें तो,भारत के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन पूरी तरह नकारात्मक नहीं है।भारत की मजबूत घरेलू मांग,डिजिटल अर्थव्यवस्था और सरकारी सुधार इसे अन्य देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में रखते हैं।फिर भी, वैश्विक संकट का असर भारत पर भी पड़ेगा,और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।इस अस्थिर समय में निवेशकों को घबराने के बजाय सोच-समझकर निर्णय लेने चाहिए।(1)लंबी अवधि के निवेश पर ध्यान दें (2) विविधीकरण अपनाएं (3) अफवाहों से बचें (4) मजबूत कंपनियों में निवेश करें (5) यह समय जोखिम लेने का नहीं, बल्कि संतुलित रणनीति अपनाने का है।यह कहना गलत होगा कि वर्तमान स्थिति केवल अफवाह है। वास्तव में कई ठोस कारण हैं जो इस गिरावट के पीछे हैं।हालांकि, यह भी सच है कि डर और अफवाहें इस स्थिति को और खराब बना देती हैं।इसलिए जरूरी है कि हम तथ्यों और विश्लेषण पर आधारित निर्णय लें।

साथियों बात अगर हम वैश्विक ऊर्जा संकटः आर्थिक अस्थिरता की जड़ वह शेयर मार्केट में अस्थिरता को समझने की करें तो,आज दुनियाँ एक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रही है।तेल और गैस की आपूर्ति में बाधाएं,विशेषकर मध्य पूर्व में तनाव,ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है।ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि से उत्पादन लागत बढ़ती है, जिससे कंपनियों के मुनाफे पर सीधा असर पड़ता है। जब कंपनियों का लाभ घटता है,तो उनके शेयरों की कीमत भी गिरती है। यही कारण है कि ऊर्जा संकट का सीधा प्रभाव वैश्विक शेयर बाजारों पर देखा जा रहा है। यह स्थिति 1973 ऑइल क्राइसिस की याद दिलाती है,जब तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि ने पूरी दुनियाँ की अर्थव्यवस्था को हिला दिया था। साथियों बात अगर हम क्या संभावित लॉकडाउन की आशंका वास्तविक है? वह शेयर मार्केट पर इसका क्या असर पड़ेगा इसको समझने की करें तो हाल के दिनों में कुछ देशों में ऊर्जा बचाने के लिए सीमित कार्यदिवस, वर्क फ्रॉम होम और सार्वजनिक संस्थानों को बंद करने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7466

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7465 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

दैनिक पंचांग

30 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 89 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 07.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 14.48 बजे को समाप्त।
योग शूल 16.51 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.10 बजे तदनन्तर कौलव 19.00 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03°41'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872664
जूलियन दिन 2461129.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 10
विशेष प्रदोष व्रत, मदन द्वादशी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.44 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	08.24 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.22 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.51 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.03 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.14 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.29 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.45 बजे से
		मकर	01.50 बजे से
		कुंभ	03.36 बजे से
		मीन	05.09 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

---

भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 : जनजातीय अस्मिता, आत्मनिर्भरता और अवसरों का विस्तारित उत्सव

देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित हरित और सांस्कृतिक आभा से परिपूर्ण परिसर सुंदर नर्सरी में आयोजित भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 ने इस वर्ष जिस प्रकार जनसामान्य, नीति-निमार्ताओं, उद्यमियों और सांस्कृतिक प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया,वह अपने आप में एक ऐतिहासिक संकेत है—भारत की जनजातीय परंपराओं के पुनर्जागरण और उनके आर्थिक सशक्तिकरण का।जनता के अभूतपूर्व उत्साह और मांग को देखते हुए जनजातीय मामलों का मंत्रालय ने ट्राइफेड के सहयोग से इस महोत्सव को 5 अप्रैल 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया। यह विस्तार केवल तिथि का विस्तार नहीं, बल्कि एक व्यापक दृष्टि का प्रतीक है—जनजातीय समाज को बाजार,सम्मान और अवसरों से जोड़ने की प्रतिबद्धता का।सरकार के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की जनजातीय विरासत अब केवल संग्रहालयों या पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि वह देश की आर्थिक और सांस्कृतिक धारा में सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। महोत्सव में उमड़ी भीड़, प्रदर्शनी स्टॉलों पर लगी कतारें, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर गूँजती तालियाँ और आदिवासी व्यंजनों का स्वाद लेते लोग - यह सब मिलकर एक जीवंत भारत की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

महोत्सव का विस्तार विशेष रूप से आदिवासी कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों और वन धन विकास केंद्रों के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है। इस विस्तारित अवधि में उन्हें उपभोक्ताओं से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा,जिससे न केवल उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, बल्कि उनकी कला और परंपरा को व्यापक पहचान भी मिलेगी। बाजार तक सीधी पहुँच, बेहतर मूल्य और स्थायी आय—ये तीनों पहलू इस आयोजन के केंद्र में हैं।इस वर्ष के आयोजन में 22राज्यों के78 आदिवासी समुदायों की सह भागिता,28 राज्यों के 300 से अधिक कला एवं शिल्प प्रदर्शकों की उपस्थिति और 21 राज्यों से आए 120 आदिवासी व्यंजन विशेषज्ञों द्वारा संचालित 30 फूड स्टॉल—यह आंकड़े केवल संख्या नहीं,बल्कि भारत की विविधता और एकता का सशक्त प्रतीक हैं। यहां हस्तशिल्प,हथकरघा, प्राकृतिक उत्पाद, जैविक वस्तुएं और पारंपरिक ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

महोत्सव का एक महत्वपूर्ण आकर्षण 29 मार्च को आयोजित वन धन कॉन्क्लेव रहा,जिसका उद्घाटन जनजातीय मामलों के केन्द्रीय राज्य मंत्री दुगार्दास उइके द्वारा विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।इस कॉन्क्लेव ने जनजातीय उद्यमिता को नई दिशा देने का कार्य किया। अपने उद्घाटन संबोधन में मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ह्लजनजातीय समुदाय केवल संरक्षण के पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार हैं।उनके पारंपरिक ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उनकी समझ और उनकी जीवन शैली आज के सतत विकास के मॉडल को दिशा दे सकती है।ह्वमंत्री ने आगे कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर बनाना है, न कि केवल सहायता पर निर्भर रखना। उन्होंने लघु वन उपज के मूल्यवर्धन,स्थानीय उत्पादों के ब्रांडिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजार विस्तार पर विशेष बल दिया।उनके अनुसार,ह्लजब एक आदिवासी कारीगर का उत्पाद सीधे उपभोक्ता तक पहुँचता है, तो वह केवल एक वस्तु का लेन-देन नहीं होता,बल्कि वह विश्वास, परंपरा और संस्कृति का आदान-प्रदान होता है।कॉन्क्लेव के अंतर्गत पाँच विषयगत सत्र आयोजित किए गए,जिनमें सतत आजीविका,लघु वन उपज का मूल्य संवर्धन,बाजार संपर्क, कौशल विकास और जनजातीय उद्यमशीलता को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों,नीति निमार्ताओं और उद्यमियों ने मिलकर यह विचार किया कि किस प्रकार जनजातीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है। महोत्सव के दौरान आयोजित भारत ट्राइब्स बिजनेस कॉन्क्लेव और सीएसआर कॉन्क्लेव ने भी साझेदारी और निवेश के नए अवसरों को जन्म दिया।कॉर्पोरेट जगत और जनजातीय उद्यमों के बीच संवाद ने यह स्पष्ट किया कि यदि सही दिशा और सहयोग मिले,तो जनजातीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।यहाँ प्रस्तुत होने वाले लोक नृत्य,संगीत, पारंपरिक वेशभूषा और जीवन शैली भारत की उस आत्मा को सामने लाते हैं, जो प्रकृति के साथ संतुलन में जीने की कला सिखाती है।सरकार द्वारा संचालित वन धन योजना के माध्यम से देशभर में स्थापित वन धन विकास केंद्रों ने जनजातीय समुदायों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया है। ये केंद्र स्थानीय संसाधनों के प्रसंस्करण और विपणन में सहायता करते हैं, जिससे कारीगरों की आय में वृद्धि होती है।महोत्सव में इन केंद्रों की सक्रिय भागीदारी इस योजना की सफलता का प्रमाण है।केंद्रीय राज्यमंत्री दुगार्दास उइके ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि सरकार पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि ह्लजनजातीय समाज की जीवन शैली में वह ज्ञान निहित है,जो पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।हमें इस ज्ञान को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक संदर्भों में उपयोग करना होगा।ह्वइस महोत्सव में आए आगंतुकों के लिए यह एक अनूठा अनुभव रहा। जहां एक ओर वे देश के विभिन्न हिस्सों से आए उत्पादों को देख और खरीद सके, वहीं दूसरी ओर उन्हें जनजातीय संस्कृति को करीब से समझने का अवसर मिला।बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक,सभी वर्गों के लोगों ने इस आयोजन में उत्साह पूर्वक भाग लिया।इस विस्तारित अवधि ने विशेष रूप से उन कारीगरों को लाभ पहुंचाया है,जो दूरदराज के क्षेत्रों से यहां पहुंचे हैं।उनके लिए यह केवल एक व्यापारिक अवसर नहीं,बल्कि अपने अस्तित्व और पहचान को स्थापित करने का मंच है।कई कारीगरों ने यह साझा किया कि इस महोत्सव ने उन्हें न केवल आर्थिक लाभ दिया है,बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।

विनोद कुमार सिंह

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है। लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

आज असम के ढेकियाजुली, टिहू और नलबाड़ी में अमित शाह करेंगे चुनाव प्रचार

गुवाहाटी, (एजेंसी) :भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज असम के ढेकियाजुली, टिहू और नलबाड़ी में चुनाव प्रचार करेंगे। भाजपा के चुनाव प्रचार को गति देने के लिए शाह दो दिवसीय दौरे पर शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे थे।

उन्होंने शनिवार को गुवाहाटी में भव्य रोड शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखने को मिली। इस रोड शो ने चुनावी माहौल को और अधिक गति दे दिया। शाह आज टिहू में चुनाव प्रचार करेंगे, जहां वे जनसभा को संबोधित करने के साथ-साथ पार्टी कार्यकताओं से भी संवाद करेंगे।

आज वे असम सरकार के मंत्री तथा भाजपा प्रत्याशी जयंतमल्ल बरुवा, चंद्रमोहन पटवारी तथा अशोक सिंघल के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। गृहमंत्री के कार्यक्रमों की व्यापक पैमाने पर तैयारी की गई है। गृहमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर राज्य में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

उद्योगपति विजयपत सिंघानिया आज होंगे पंचतत्व में विलीन

मुंबई, (एजेंसी) : दिग्गज उद्योगपति रेमंड समूह के पूर्व अध्यक्ष और पद्म भूषण से अलंकृत डॉ. विजयपत कैलाशपत सिंघानिया का अंतिम संस्कार आज यहां किया जाएगा। शनिवार को 87 वर्ष की आयु में मुंबई में आखिरी सांस लेने वाले सिंघानिया की आत्मिक शांति के लिए दोपहर डेढ़ बजे हवेली (एलडी रूपारेल मार्ग) में प्रार्थना सभा होगी। इसके बाद दोपहर तीन बजे चंदनवाड़ी में उनका अंतिम संस्कार होगा। बेटे गौतम सिंघानिया ने एक्स पर यह जानकारी दी। गौतम रेमंड समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं।

विजयपत सिंघानिया एविएशन के प्रति अपने जुनून के लिए भी प्रख्यात रहे हैं। हॉट एयर बैलून में सबसे ज्यादा ऊंचाई तक पहुंचने का विश्व रिकॉर्ड भी उनके नाम है। विजयपत सिंघानिया ने लगभग दो दशक तक रेमंड समूह का नेतृत्व किया। इसके बाद 2000 में उन्होंने कंपनी की बागडोर गौतम सिंघानिया को सौंप दी। उन्होंने अपनी 37 फीसदी हिस्सेदारी भी अपने बेटे के नाम कर दी। विजयपत सिंहानिया ने रेमंड को छोटी सी मिल से एक ग्लोबल साम्राज्य में बदलने में सफलता हासिल की। गौतम से उनके कानूनी विवाद भी हुए। हालांकि बाद में पिता-पुत्र ने विवाद सुलझा लिए।

नवी मुंबई से 30 से अधिक नए मार्गों पर उड़ान शुरू करेगा इंडिगो, 400 से ज्यादा उड़ानें होंगी संचालित

नई दिल्ली, (एजेंसी) : देश की अग्रणी उड्डयन कंपनी इंडिगो ने महाराष्ट्र के नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 30 से अधिक नए उड़ान मार्ग शुरू करने की घोषणा की है। इनपर उड़ान सेवाएं 29 मार्च से 23 अप्रैल के बीच चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएंगी।

इंडिगो ने बताया कि नए मार्गों से एयरलाइन आगरा, अयोध्या, बागडोगरा, बेलगाम (कर्नाटक), चंडीगढ़, दीव, कन्नूर (केरल), कोलकाता, पटना, राजकोट, श्रीनगर, वाराणसी और विशाखापत्तनम सहित कई प्रमुख शहरों को नवी मुंबई को जोड़ेगी। इन मार्गों के शुरू होने के बाद नवी मुंबई से प्रति सप्ताह 400 से अधिक उड़ानों का संचालन किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और बेहतर यात्रा विकल्प मिलेंगे।

कंपनी के अनुसार, नवी मुंबई और गुजरात के बीच संपर्क को विशेष रूप से मजबूत किया गया है। इसी क्रम में भावनगर और नवी मुंबई के बीच प्रतिदिन दो सीधी उड़ानें शुरू कर दी गई हैं। ये सेवाएं एटीआर विमान से संचालित हो रही हैं, जिससे दोनों शहरों के बीच तेज और सुगम यात्रा संभव होगी।

इसके अलावा कंपनी ने जामनगर के लिए भी सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की घोषणा की है, जो 23 अप्रैल से प्रारंभ होगी। इस विस्तार के बाद एयरलाइन गुजरात के छह शहर अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट, भावनगर और जामनगर में अपनी सेवाएं देगी। इन शहरों के लिए कुल मिलाकर 1400 से अधिक साप्ताहिक उड़ानों का संचालन किया जाएगा।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, नवी मुंबई से कई शहरों के लिए दैनिक उड़ानें उपलब्ध होंगी। इनमें गोवा, कोल्हापुर (महाराष्ट्र), गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), भोपाल, देहरादून, हुब्बली (कर्नाटक), इंदौर, दुगार्पुर (पश्चिम बंगाल), मदुरै (तमिलनाडु), औरंगाबाद (महाराष्ट्र), जबलपुर (मध्य प्रदेश), झारसुगुड़ा (ओडिशा) और रायपुर जैसे शहर शामिल हैं।कुछ मार्गों पर साप्ताहिक आधार पर उड़ानों का संचालन किया जाएगा। आगरा, देहरादून, दुगार्पुर (पश्चिम बंगाल) और श्रीनगर के लिए सप्ताह के निश्चित दिनों में सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

वर्तमान में एयरलाइन के पास 400 से अधिक विमानों का बेड़ा है और यह प्रतिदिन 2200 से अधिक उड़ानों का संचालन करती है, जिससे 95 से अधिक घरेलू और 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ती है।

वंदे मातरम राष्ट्रवाद का मंत्र, यह कभी अप्रासंगिक नहीं होगा : मदन दिलावर

कोलकाता, (एजेंसी) :राजस्थान परिषद की ओर से राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ⚡वंदे मातरम 150 वर्ष पूर्ति गौरवशाली स्मरण⚡ के भव्य समारोह में राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं बल्कि राष्ट्रवाद का जीवंत मंत्र है, जो सदैव प्रासंगिक रहेगा और देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशवासियों में नई चेतना का संचार किया था और आज भी इसकी गूंज राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को सशक्त करती है।

कोलकाता स्थित राष्ट्रीय ग्रंथागार के सभागार में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी समाज के लोग, साहित्यकार, शिक्षाविद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी एवं उद्योगपति बेणु गोपाल बांगड़ ने की।

अपने संबोधन में मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि इसी ऐतिहासिक दिन (29 मार्च, 1857) महान क्रांतिकारी मंगल पांडे ने स्वतंत्रता की पहली लड़ाई का शंखनाद किया था। उन्होंने बंगाल की इस पावन भूमि को भारतीय जनसंघ के प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद की जन्मस्थली बताते हुए इसे राष्ट्रवादी विचारधारा की उर्वर धरती बताया।उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति का उद्घोष बन गया था। यह गीत इतना प्रेरणादायी है कि इसे सुनकर निराश व्यक्ति में भी नवजीवन का संचार हो सकता है। उन्होंने कहा कि इतिहास में ऐसे दौर भी आए जब इस गीत का विरोध हुआ, लेकिन इसके बावजूद यह गीत जनमानस की चेतना में निरंतर जीवित रहा।उन्होंने कहा कि वंदे मातरम का विरोध जब मुस्लिम लीग ने किया तो तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके खिलाफ इसको लिखने वालों के खिलाफ जांच बैठा दी। उन्हीं लोगों ने जब अपातकाल लगाई और देश को जेल में बदल दिया तो इसी वंदे मातरम का गयान हर जेल में होता था जिसके बाद अंधेरा छंटा।दिलावर ने कहा कि आपातकाल के कठिन दौर में भी देशभक्तों ने जेलों में वंदे मातरम् का गायन कर लोकतंत्र की लौ जलाए रखी। उन्होंने कहा कि यह गीत भारत की आत्मा का स्वर है और इसका महत्व कभी कम नहीं हो सकता।उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को जो सम्मान देश में मिलना चाहिए था वह कभी नहीं मिला लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके संपूर्ण गायन का फैसला कर, सम्मान

दिया है।उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में इस गीत को जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह सुनिश्चित करने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान के नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने अपने संबोधन में बंगाल की क्रांतिकारी परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी धरती से निकलकर रास बिहारी बोस, नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन कर स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने भी वीरता, साहित्य और बलिदान की परंपरा में सदैव देश का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने महाराणा प्रताप, राणा कुंभा जैसे महान योद्धाओं का स्मरण करते हुए कहा कि राजस्थान ने स्वतंत्रता के बाद भी देश को सर्वाधिक वीर सैनिक और बलिदानी दिए हैं। उन्होंने कहा कि आज राजस्थानी समाज देश ही नहीं बल्कि विश्वभर में अपनी प्रतिभा और परिश्रम का परचम लहरा रहा है।समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ प्रेम शंकर त्रिपाठी ने वंदे मातरम् की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह गीत भारतीय आत्मा की अभिव्यक्ति है,

जिसमें मातृभूमि के प्रति समर्पण और श्रद्धा का अद्वितीय संगम दिखाई देता है।इस अवसर पर ⚡वंदे मातरम् के 150 वर्ष⚡ पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान परिषद द्वारा प्रकाशित एक संग्रहणीय स्मारिका का भी लोकार्पण किया गया। इस स्मारिका का संपादन युवा पत्रकार सच्चिदानंद पारीक एवं भागीरथ सारस्वत ने वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी के मार्गदर्शन में किया है। इसमें वंदे मातरम् की मूल भावना, उसके राष्ट्रीय संदेश तथा उसके ऐतिहासिक महत्व पर देश के प्रख्यात साहित्यकारों, कवियों एवं लेखकों के विचार संकलित किए गए हैं।

कार्यक्रम के दौरान सुप्रसिद्ध गायिका मारुति मोहता एवं उनके सहयोगी कलाकारों ने वंदे मातरम् की संगीतमय प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। साथ ही राजस्थानी लोकगीतों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिए।

राजस्थान परिषद के महामंत्री अरुण प्रकाश मल्लावत ने परिषद की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था अपनी स्थापना के समय से ही राजस्थानी कला, संस्कृति और साहित्य के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का माध्यम हैं बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

नेशनल लाइब्रेरी के डीजी अजय प्रताप सिंह ने कहा कि नेशनल लाइब्रेरी भारत के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में लाइब्रेरी और ज्ञानवर्धक पुस्तक लोगों के बीच उपलब्ध करवाने को प्रतिबंध है। इसके लिए उन्होंने राजस्थान के लोगों का आह्वान किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मन की बात : ऊर्जा संकट पर प्रधानमंत्री की अफवाहों से बचने की अपील, एकजुट रहने का आह्वान

नई दिल्ली, (एजेंसी) :प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संघर्ष की वैश्विक स्थिति और ऊर्जा संकट पर चिंता जताते हुए रविवार को ⚡मन की बात⚡ कार्यक्रम से एक बार फिर देशवासियों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और एकजुटता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के कारण पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। ऐसे समय में अफवाहों से दूर रहना और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ⚡मन की बात⚡ के 132वे एपिसोड में आज यह बातें कहीं। उन्होंने खाड़ी देशों के संघर्ष के बीच वहां रह रहे भारतीयों की संभाल के लिए दिए सहयोग पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि दुनिया की ऊर्जा आवश्यकताएं इस क्षेत्र से जुड़ी हैं, जिससे मौजूदा संघर्ष का असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों का उपयोग कर स्थिति का सामना कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने इस विषय पर राजनीति करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ लोगों से जुड़ा मुद्दा है और इसमें स्वार्थ की राजनीति का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को देश के लिए हानिकारक बताया और नागरिकों से अपील की कि वे केवल सरकारी जानकारी पर भरोसा करें।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे कई देशों में ईंधन संकट की स्थिति बनी है।

बस्तर से नक्सलवाद के खात्मे के साथ आईईडी मुक्त ग्राम बनाने का चलेगा अभियान

जगदलपुर, (एजेंसी) : नक्सलवाद के पूर्ण सफाए के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा तय की गई समय सीमा 31 मार्च बेहद करीब पहुंच गई है। पिछले दो वर्षों में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों को उनके सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाकों में कैंप स्थापित कर लगभग पूरी तरह से खदेड़ दिया है, लेकिन नक्सलियों द्वारा जमीन के नीचे लगाये गये आईईडी सुरक्षाबलों और आम नागरिकों के लिए आज भी खतरा बना हुआ है।

बस्तर के आंकड़ों पर गौर करें तो साल 2001 से 2026 तक आइईडी विस्फोट की 1,277 घटनाएं दर्ज की गईं, जिसमें 443 जवान बलिदान हुए एवं 915 जवान घायल हुए। वहीं 158 आम नागरिकों को भी अपनी चपेट में लिया । वर्ष 2010 आईईडी विस्फोट की घटना के इतिहास का सबसे काला वर्ष रहा, जब आइईडी विस्फोट से 101 सुरक्षाबल के जवान बलिदान हुए थे।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा का कहना है कि असली जीत केवल बंदूकें शांत करने में नहीं बल्कि जमीन को सुरक्षित करने में है। उन्होंने घोषणा की है कि जिस तरह गांवों को ओडीएफ (खुले में शौच मुक्त) बनाया गया था, उसी तर्ज पर अब बस्तर के हर संदेहास्पद रास्ते और पगडंडी को आइईडी मुक्त ग्राम घोषित करने का अभियान चलाया जाएगा।

भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार अकल्पनीय, अब हर तबके के लिए संभव हुई हवाई यात्रा : मुख्यमंत्री

भोपाल, (एजेंसी) :मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार जितनी तेजी से हो रहा है वह अकल्पनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता ने देश के विमानन क्षेत्र का कायाकल्प किया है। प्रधानमंत्री की दूरगामी सोच और दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज समाज के हर तबके के लिए हवाई यात्रा संभव हुई है। अब हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज की यात्रा करने में समर्थ्य हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर में लोकमाता अहिल्याबाई इन्टरनेशनल एयरपोर्ट में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन हमें लोककल्याण का मार्ग दिखाता है। लोकमाता के पद चिन्हों पर चलकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम जनसेवा के नए कदम बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा की शुरूआत भी की गई है, इससे गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को त्वरित उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाया जा रहा हैं।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण कर इन्दौरवासियों सहित पूरे मालवांचल को अत्याधुनिक टर्मिनल की सौगात दी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है, जिससे हवाई यात्रा और भी अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनेगी। यह नया टर्मिनल इन्दौर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर और मजबूती के साथ प्रतिस्थापित करेगा। इंदौर शहर की बेहतरीन हवाई सुविधाओं को अमेरिका क्वॉलिटी कॉउंसिल ने क्वॉलिटी सर्टिफिकेट से सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉउसिल की ओर से दिया गया क्वालिटी सार्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन इन्दौर एयरपोर्ट के पदाधिकारियों को सौंपकर बधाई दी।

दिल्ली के चांद बाग में बहुमंजिला मकान में लगी आग, चार लोगों ने लगाई छलांग

नई दिल्ली, (एजेंसी) :उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र स्थित चांद बाग में आज तड़के एक बहुमंजिला मकान में आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग ग्राउंड फ्लोर की पार्किंग में खड़े दो स्कूटर और एक मोटरसाइकिल में लगी, जिसके बाद धुआं तेजी से फैल गया। धुएं से घबराकर पहली मंजिल पर मौजूद चार लोगों ने छलांग लगा दी, जबकि दमकल कर्मियों ने ऊपरी मंजिलों से चार अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

दमकल विभाग को घटना की सूचना रात करीब 2:30 बजे मिली। सूचना मिलते ही चार दमकल की गाड़ी मौके पर भेजी गईं। आग की गंभीरता को देखते हुए करीब 2:56 बजे ⚡मेक-4⚡ घोषित किया गया, जिसके बाद अतिरिक्त दमकल गाड़ियां रवाना की गईं। कुल 11 दमकल वाहन मौके पर पहुंचे।

दमकल अधिकारियों के मुताबिक, इमारत ग्राउंड प्लस पांच मंजिल की है और इसका क्षेत्रफल करीब 50 वर्ग गज है। आग से उठे धुएं ने ऊपरी मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लोग फंस गए। दमकल कर्मियों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाते हुए दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल से चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं चौथी मंजिल से एक बच्चे को भी सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

घटना के दौरान निकहत (22), राशिदा (50), सोनी (25) और दो वर्षीय आशिफ ने पहली मंजिल से छलांग लगा दी। सभी को तत्काल जग प्रवेश चंद अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। वहीं सुवेद (12), दुर्वेद (10), आरिफा (28) और फराह (14) को दमकल कर्मियों ने सुरक्षित बचा लिया।सुबह करीब 6:20 बजे तक दमकल की सभी गाड़ियां वापस लौट गईं और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। मौके पर एडीओ दीपक हुड्डा के नेतृत्व में राहत कार्य चलाया गया। फिलहाल दयालपुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। शुरूआती जांच में आग लगने का कारण पार्किंग में खड़े वाहनों से जुड़ा माना जा रहा है। वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव वाराणसी में 31 मार्च को रखेंगे मध्य प्रदेश का ओडीओपी मॉडल

स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में साझा होंगे नवाचार

भोपाल, (एजेंसी) :मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में ⚡एक जिला-एक उत्पाद⚡ (ओडीओपी) को एक प्रभावी आर्थिक मॉडल के रूप में विकसित किया गया है, जो स्थानीय उत्पादों को पहचान से आगे बढ़ाकर उन्हें बाजार, निर्यात और

रोजगार से जोड़ रहा है। इस सशक्त मॉडल को वाराणसी में 31 मार्च को आयोजित सहयोग सम्मेलन में साझा किया जएगा।ओडीओपी से स्थानीय उत्पादकों के आर्थिक सशक्तिकरण का मॉडलजनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि ओडीओपी के माध्यम से प्रत्येक जिले की विशिष्टता को चिन्हित कर उसे उत्पादन, प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार उपलब्धता से जोड़ा गया है। मध्य प्रदेश में यह पहल केवल पारंपरिक उत्पादों के संरक्षण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसे एक समग्र वैल्यू चेन के रूप में विकसित किया गया है, जिससे कारीगरों, किसानों और सूक्ष्म उद्यमियों को स्थायी आर्थिक अवसर प्राप्त हो रहे हैं। सहयोग सम्मेलन में ओडीओपी से स्थानीय उत्पादकों और कारीगरों के आर्थिक सशक्तिकरण का मॉडल साझा किया जाएगा। प्रदेश के हर जिले की विशिष्टता को मिला आर्थिक विस्तारउन्होंने बताया कि श्योपुर का अमरूद, मुरैना-भिंड की सरसों, ग्वालियर का सैंडस्टोन, अशोकनगर की चंदेरी हैंडलूम, रतलाम का नमकीन, उज्जैन का बाटिक प्रिंट, धार का बाघ प्रिंट, झाबुआ का कड़कनाथ, बुरहानपुर की जरी-जरदोजी, सीहोर का बासमती, बैतूल का सागौन,

मल्लिकार्जुन खड़गे के असम दौरे को लेकर मुख्यमंत्री ने साधा निशाना

कार्बी आंगलोंग, (एजेंसी) :असम विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के असम दौरे को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को तंज कसा। उन्होंने पार्टी के नेतृत्व चुनाव और खड़गे के पुराने रुख पर गंभीर सवाल उठाए।

ज्ञात हो कि, आज राज्य के पहाड़ी जिला कार्बी आंगलोंग के बोकाजान विधानसभा, डिफू विधानसभा, हावराघाट विधानसभा और आमरी विधानसभा क्षेत्र में कुल चार चुनावी विजय संकल्प सभाओं में मुख्यमंत्री ने हिस्सा लिया। सभाओं में उपस्थित लोगों की उपस्थिति को देखकर मुख्यमंत्री काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत पूरी तरह से सुनिश्चित है।

इस दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने असम में खड़गे को प्रचार के मुख्य चेहरे के तौर पर पेश करके एक रणनीतिक गलती की है। मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि खड़गे को लाकर कांग्रेस ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि खड़गे ने पहले असम के सांस्कृतिक प्रतीक भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिए जाने का विरोध किया था।

30-03-2026 T.P. Page 8_Layout 1 30-03-2026 08:12 Page 1

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। वाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

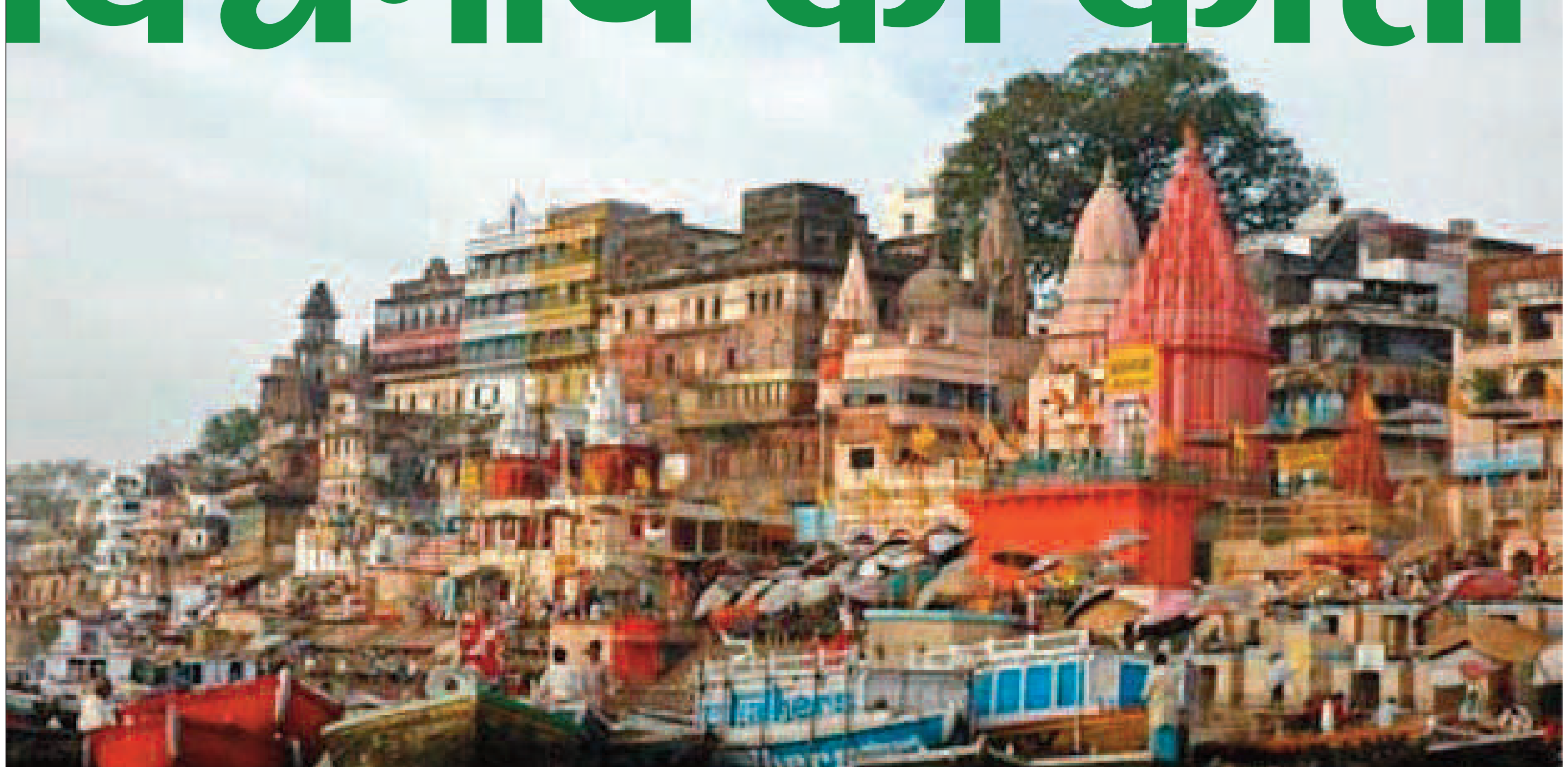

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोठी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दश्वमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्रांट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।